E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -143 | प्रयागराज, शुक्रवार 15 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मोदी बतौर पीएम कल 12वीं बार तिरंगा फहराएंगे,राष्ट्रगान बजाने वाले बैंड में पहली बार अग्निवीर; इन्विटेशन कार्ड पर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो

नयी दिल्ली। 15 अगस्त 2025 को 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इस बार की थीम 'नया भारत' है। मोदी दिल्ली के लालकिले की प्राचीर से लगातार 12वीं बार राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इ्श अपने संबोधन से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को भारत का विजन देंगे। साथ ही, पूरा संबोधन सेना के शौर्य को समर्पित होगा। इस साल पहली बार राष्ट्रगान बजाने वाले बैंड में 11 अग्निवीर हिस्सा लेंगे। साथ ही इन्विटेशन कार्ड पर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो और चिनाब पुल का वॉटरमार्क भी होगा। जो 'नए भारत' के उदय को दर्शाता है। गार्ड ऑफ ऑनर की कमान विंग कमांडर एएस सेखों संभालेंगे। प्रधानमंत्री के गार्ड में थलसेना दस्ते की कमान मेजर अर्जुन सिंह, नौसेना दस्ते की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर कोमलदीप सिंह और वायुसेना दस्ते की कमान स्क्वाड्रन लीडर राजन अरोड़ा संभालेंगे। दिल्ली पुलिस दस्ते की कमान एडिशनल डीसीपी रोहित राजबीर सिंह संभालेंगे। 1721 फील्ड बैटरी (सेरेमोनियल) की तरफ से 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। स्वदेशी 105 मिमी लाइट फील्ड गन का उपयोग करने वाली इस सेरेमोनियल बैटरी की कमान मेजर पवन सिंह शेखावत के हाथों में होगी। राष्ट्रीय ध्वज रक्षक दल, जिसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और दिल्ली पुलिस के एक-एक अधिकारी और 32 अन्य रैंक के कर्मी शामिल होंगे, कुल 128 जवान प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय ध्वज फहराने के समय राष्ट्रीय सलामी देंगे। विंग कमांडर तरुण डागर इस इंटर सर्विस गार्ड और पुलिस गार्ड की कमान संभालेंगे। पहली बार राष्ट्रगान बैंड में 11 अग्निवीर शामिल राष्ट्रीय ध्वज गार्ड में सेना की टुकड़ी की कमान मेजर प्रकाश सिंह, नौसेना की टुकड़ी की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर मोहम्मद परवेज और वायु सेना की टुकड़ी की कमान स्क्वाड्रन लीडर वीवी शरवन संभालेंगे। दिल्ली पुलिस की टुकड़ी की कमान एडिशनल डीसीपी अभिमन्यु पोसवाल संभालेंगे। जूनियर वारंट ऑफिसर एम डेका बैंड का संचालन करेंगे। फूलों की सजावट भी ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया जाएगा। ज्ञानपथ पर व्यू कटर पर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो होगा। फूलों की सजावट भी ऑपरेशन पर आधारित होगी। निमंत्रण पत्रों पर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो भी होगा। निमंत्रण पत्रों पर चिनाब पुल का वॉटरमार्क भी होगा, जो 'नया भारत' के उदय को दर्शाता है। फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के बाद, प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करेंगे। भाषण के समापन पर, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट और 'मेरा भारत' स्वयंसेवक राष्ट्रगान गाएंगे।

ट्रम्प ने पुतिन को चेतावनी दी:कहा- बातचीत के बाद जंग नहीं रोकी तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन जंग पर चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा है कि अगर पुतिन शुक्रवार को होने वाली बातचीत के बाद भी जंग खत्म करने पर राजी नहीं होते हैं तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। उनका यह बयान बुधवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आया। ट्रम्प और पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं। इसका मकसद यूक्रेन में साढ़े तीन साल से चल रही जंग को खत्म करना है। दोनों नेता पहली बार अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे।ट्रम्प ने बुधवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इस मीटिंग में ट्रम्प ने कहा कि जंग को खत्म करने के लिए दोनों पक्षों को जमीन की अदला-बदली करनी पड़ सकती है। इस पर यूरोपीय नेताओं ने ट्रम्प को समझाने की कोशिश की कि 15 अगस्त को उनकी रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ होने वाली मुलाकात में ऐसा कोई समझौता न हो, जिससे यूक्रेन को नुकसान पहुंचे। जेलेंस्की ने बैठक के दौरान कहा कि पुतिन धोखा दे रहे हैं। वो यह दिखावा कर रहे हैं कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा है और ये कारगर नहीं हैं। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डोनबास क्षेत्र की जमीन रूस को सौंपने के सवाल पर जेलेंस्की ने साफ कहा कि वे अपनी जमीन नहीं छोड़ रहे हैं। पहले युद्धविराम होना चाहिए और फिर सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की जमीन के बारे में कोई भी फैसला बिना यूक्रेन की सहमति के नहीं हो सकता। मेरी पोजिशन नहीं बदलेगी। एक दिन पहले भी उन्होंने कहा था कि उनके पास अपनी देश की जमीन छोड़ने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा- पहले युद्धविराम होना चाहिए, फिर मजबूत सुरक्षा गारंटी दी जानी चाहिए। रूस को यूक्रेन के यूरोप या नाटो में शामिल होने की संभावनाओं पर वीटो लगाने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

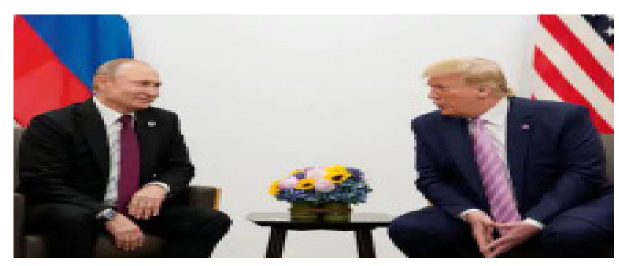

कर्नाटक एमएलसी बोले- 2800 कुत्तों को मरवाया,खाने में जहर दिया, पेड़ के नीचे दफनाया; बच्चों की सेफ्टी के लिए जेल जाने को तैयार

बेंगलुरु। कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर पार्टी के नेता और एमएलसी एसएल भोजेगौड़ा ने बुधवार को विधान परिषद में कहा कि उन्होंने करीब 2800 कुत्तों को मरवाया है। ऐसा बच्चों की सुरक्षा को देखते किया है। वह इसके लिए जेल जाने को भी तैयार हैं। भोजेगौड़ा ने मांग की कि सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की जाए। कर्नाटक भारत का पहला राज्य बने, जो सुप्रीम कोर्ट से कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर सके। भोजेगौड़ा ने कहा कि हमें भी जानवरों की चिंता है, लेकिन पशु प्रेमी एक और खतरा हैं। आप छोटे बच्चों की पीड़ा देख सकते हैं। इसके बारे में रोज अखबारों में पढ़ते हैं और टीवी में सुनते हैं।भोजेगौड़ा ने एक पुराने वाकये का जिक्र करते हुए कहा, जब वह चिकमगलूर में नगर निकाय के अध्यक्ष थे। तब उन्होंने मांस में कुछ जहर मिलवाकर लगभग 2800 कुत्तों को खिला दिया था। फिर उन्हें नारियल के पेड़ों के नीचे दफना दिया था।12 अगस्तः दो कॉलेज स्टूडेंट पर कुत्तों ने हमला किया बेंगलुरु यूनिवर्सिटी कैंपस में मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमले में दो छात्राएं घायल हो गई थीं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। घटना सुबह करीब 11 बजे की है। छात्राएं डॉ बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स के इंटीग्रेटेड एमएससी कोर्स के थर्ड ईयर की स्टूडेंट हैं। 30 जुलाईः 70 साल के बुजुर्ग को कुत्तों ने नोचकर मार दिया कर्नाटक के कोडिगेहल्ली में घर के बाहर वॉक पर निकले 70 साल के बुजुर्ग पर आवार कुत्तों के एक झुंड ने हमला कर दिया था।

आवारा कुत्तों पर SC में फैसला सुरक्षित,बचाव पक्ष ने कहा- समाधान हो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर गुरुवार को सुनवाई की। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि यहां कई ऐसे मांसाहारी लोग हैं, जो खुद को पशु प्रेमी बताते हैं। वहीं, कपिल सिब्बल ने कहा कि मामले का समाधान हो। दिल्ली-एनसीआर से कुत्तों को इकट्ठा कर ऐसे शेल्टर होम भेजें, जो अभी हैं ही नहीं।इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने 11 अगस्त को मामले में फैसला सुनाया था, जिसका बड़े स्तर पर विरोध हो रहा है। बुधवार को चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि कॉन्फ्रेंस ऑफ ह्यूमन राइट्स (इंडिया) एनजीओ की याचिका पर कहा था कि वह खुद इस मामले पर गौर करेंगे। मामला 3 जजों की स्पेशल बेंच को सौंप दिया था। शीर्ष कोर्ट ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

थोक महंगाई 2 साल के निचले स्तर पर:जुलाई में ये माइनस 0.58 फीसदी पर आई, खाने-पीने के सामान की कीमतों में कमी आई

नयी दिल्ली। जुलाई महीने में थोक महंगाई घटकर माइनस 0.58 फीसदी पर आ गई है। ये इसका 2 साल कर निचला स्तर है। इससे पहले जून 2023 में ये माइनस 4.12 फीसदी पर आ गई थी। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई कम हुई है। इससे पहले जून में ये माइनस 0.13 फीसदी पर आ गई थी। वहीं मई 2025 में ये 0.39 फीसदी और अप्रैल 2025 में 0.85फीसदी पर थी। रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं- रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 3.38 फीसदी से घटकर माइनस 4.95 फीसदी हो गई।खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 0.26 फीसदी से घटकर माइनस 2.15 फीसदी हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.65 फीसदी से बढ़कर माइनस 2.43 फीसदी रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.97 फीसदी से बढ़कर 2.05 फीसदी रही।प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62 फीसदी है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15 फीसदी और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23 फीसदी है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं मिनरल्स क्रूड पेट्रोलियमजुलाई में रिटेल महंगाई घटकर 1.55 फीसदी पर आ गई है। ये 8 साल 1 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले जून 2017 में ये 1.54 फीसदी रही थी। वहीं जून 2025 में रिटेल महंगाई 2.10 फीसदी रही थी। जबकि मई 2025 में 2.82 फीसदी और अप्रैल 2025 में ये 3.16 फीसदी पर थी। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है।

स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मानने को तैयार प्रयागराज,15 अगस्त की तैयारियों में रंगा तिरंगे में शहर

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के जश्न को लेकर प्रयागराज पूरी तरह से देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया है। 15 अगस्त से दो दिन पहले ही शहर की फिजाओं में देशप्रेम की खुशबू घुल गई है। चारों ओर तिरंगे की शान, रंग-बिरंगी लाइटों की जगमगाहट और देशभक्ति के नारों से शहर का माहौल पूरी तरह से उत्सवमय हो गया है।शहर के प्रमुख चौराहों जैसे सुभाष चौराहा, बालसन चौराहा, आनंद भवन, विवेकानंद चौराहा, हाई कोर्ट और खासकर ऐतिहासिक आजाद पार्क को भव्य रूप से सजाया गया है। ये स्थान तिरंगे की रंग-बिरंगी रोशनी से नहाए हुए हैं और हर दिशा से देशप्रेम का संदेश दे रहे हैं।आजाद पार्क, जहां हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मुख्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं, को इस वर्ष विशेष रूप से सजाया गया है। शाम होते ही पूरा क्षेत्र तिरंगे के रंगों से रोशनी में डूब जाता है, जो लोगों को देशभक्ति की अनुभूति कराता है।शहर की गलियों, बाजारों और मोहल्लों में भी तैयारियों का जोश देखने लायक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लगभग हर घर की छत पर तिरंगा लहराता दिखाई दे रहा है। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग - सभी इस अभियान में उत्साह से भाग ले रहे हैं। दुकानों पर भी देशभक्ति के गीतों की गूंज सुनाई दे रही है और स्वतंत्रता दिवस से जुड़े कई आकर्षक सामान जैसे तिरंगे, बैज, टोपी, स्कार्फ, और झंडे धड़ल्ले से बिक रहे हैं।दो दिन पहले से शहर में विभिन्न संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों और राजनीतिक दलों द्वारा रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। ये रैलियां भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज रही हैं। इन रैलियों में सांस्कृतिक झांकियां, देशभक्ति गीत, और पारंपरिक परिधान में सजे बच्चे व कलाकार विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।नगर निगम, पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन भी स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह को लेकर पूरी तरह से सक्रिय है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं।

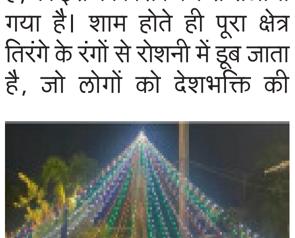

प्रयागराज में रंगकर्मी आलोक रस्तोगी का निधन,100 से अधिक नाटकों में अभिनय किया

प्रयागराज। रंगमंच और नौटंकी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाले रंगकर्मी आलोक रस्तोगी का गुरुवार सुबह 76 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने दारागंज स्थित आवास पर सुबह करीब 6:30 बजे अंतिम सांस ली। वह विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान के संस्थापक थे। संस्थान के अध्यक्ष अभिलाष नारायण ने बताया कि अंतिम संस्कार शुक्रवार को दारागंज घाट पर होगा। उनके निधन से प्रयागराज के रंगकर्मियों और साहित्यकारों में गहरा शोक है।छह जून 1949 को प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) में जन्मे आलोक रस्तोगी, प्रसिद्ध नाटककार विनोद रस्तोगी के पुत्र थे। साहित्यिक माहौल में पले-बढ़े उन्होंने बचपन से कहानियां और कविताएं लिखना शुरू कर दिया था, जो कई अखबारों व पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं। रंगमंच की बारीकियां उन्होंने अपने पिता से सीखीं और जीवन को उसी के लिए समर्पित कर दिया। करीब पांच दशकों तक उन्होंने रंगमंच को अपना योगदान दिया। 2003 में विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान की स्थापना कर उन्होंने नाट्यकला और नौटंकी के प्रचार-प्रसार का बीड़ा उठाया।

खबर ज़रा हटके

चार पैरों पर चलने वाले इंसान कहां पाए जाते हैं?

आमतौर पर इंसान दो पैरों पर चलते हैं, लेकिन तुर्की में एक ऐसा परिवार है, जो जानवरों की तरह चलता है। इस परिवार में पांच भाई-बहन है, जो चलने के लिए हाथ और पैरों का सहारा लेते हैं। यह परिवार सालों तक दुनिया से कटा रहा। इसे 'बैकवर्ड इवोल्यूशन' यानी पीछे लौटता हुआ इंसानी विकास कहा जा रहा है। इसके पीछे 'यूनर टैन सिंड्रोम' वजह- वैज्ञानिकों ने काफी रिसर्च के बाद दावा किया। यह परिवार 'यूनर टैन सिंड्रोम' का शिकार है। यह एक जेनेटिक बीमारी है। इसमें दिमाग यह सोचता है कि शरीर दो पैरों पर संतुलन नहीं बना पाएगा। इसलिए, पीड़ित लोग हाथ और पैरों का सहारा लेकर चलते हैं। इस परिवार के मुखिया और उनकी पत्नी भी हाथ और पैरों से चलते थे। उनके 19 बच्चे हुए। इनमें से 5 बच्चे इस सिंड्रोम का शिकार हुए।

शादी नहीं करने पर शख्स को क्यों नहीं मिला सरकारी घर?

मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक दिव्यांग युवक को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने के लिए एक अनोखी शर्त दी गई है। सरकारी सिस्टम ने उससे कहा कि अगर उसने शादी नहीं की तो उसे घर नहीं मिलेगा। हुआ यूं कि गुना में रहने वाले पवन अहिरवार नाम के दिव्यांग ने पीएम आवास योजना के लिए अप्लाई किया था। नगर परिषद ने उन्हें एक नोटिस भेजा। इसमें लिखा था कि वे 'अविवाहित' हैं। इस वजह से वे योजना के लिए अपात्र हैं। उन्हें 3 दिन के अंदर शादी का सबूत देने को कहा गया। इस मामले पर कलेक्टर ने हंसकर कहा- कंफ्यूजन है- दिव्यांग पवन ने इसकी शिकायत कलेक्टर ऑफिस में की। उन्होंने कहा कि उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। जब गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल से इस बारे में पूछा गया तो वे हंस पड़े। उन्होंने इसे 'कंफ्यूजन' बताया। कलेक्टर ने अधिकारियों को जांच का आदेश दिया। उन्होंने साफ किया कि योजना का लाभ जमीन के आधार पर मिलता है। पवन के पास जमीन है। इसलिए उन्हें लाभ जरूर मिलेगा।

स्पेलिंग मिस्टेक से कैदी को कैसे मिली जमानत?

ग्वालियर हाईकोर्ट के एक बेल ऑर्डर में स्पेलिंग मिस्टेक होने से गलत कैदी को जमानत मिल गई। वहीं जिस आरोपी को जमानत मिलनी थी, उसकी अर्जी खारिज कर दी गई। यह फैसला विदिशा जिले में हुई एक हत्या के मामले में सुनाया गया। इसमें हल्के आदिवासी और धर्मेंद्र नाम के दो शख्स आरोपी हैं।दोनों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। 8 अगस्त को कोर्ट ने हल्के आदिवासी को जमानत देने का आदेश दिया, लेकिन शाम होते-होते अदालत को अपनी गलती का पता चला। कोर्ट ने तुरंत पहला आदेश रद्द कर नया ऑर्डर जारी किया। इसमें बताया गया कि टाइपिंग में गलती से ऐसा हुआ था।हैरानी की बात है कि आदेश अपलोड होते ही गलत कैदी का वकील बेल ऑर्डर लेकर रिहाई कराने जेल तक पहुंच गया था, लेकिन हाईकोर्ट की तत्परता से रिहाई रुक गई।

शख्स ने 1 करोड़ में क्यों खरीदी 300 साल की जिम मेंबरशिप?

चीन में एक शख्स के साथ बड़ा धोखा हुआ है। उसने एक जिम में रु1 करोड़ खर्च कर 300 साल की मेंबरशिप ले ली, लेकिन जिम का मालिक पैसे लेकर फरार हो गया। दरअसल जिन नाम के शख्स को जिम वाले ने एक ऑफर दिया कि वह एक साल की मेंबरशिप खरीदे। जिम ओनर उस मेंबरशिप को नए ग्राहक को ज्यादा कीमत पर बेच देगा। जो भी फायदा होगा, उसका 90फीसदी जिन को मिलेगा। इस लालच में आकर जिन ने दो महीने में 26 कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिए। उसने कुल रु1 करोड़ से ज्यादा खर्च कर दिए। इससे उसकी मेंबरशिप 300 साल की हो गई। लेकिन जब पैसे वापस मिलने का दिन आया, तो जिन को कोई पैसा नहीं मिला। उसने जिम में पता किया। तब पता चला कि जिम का मालिक और सारे सेल्स स्टाफ भाग चुके हैं। जिन ने बाद में साइन कॉन्ट्रैक्ट चेक किया तो उसमें मुनाफे की कोई बात नहीं लिखी हुई थी। मेंबरशिप किसी और को बेची भी नहीं जा सकती थी।

आर्टिफिशियल ब्रेन इंसानी दिमाग से दोगुना तेज कैसे?

चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कंप्यूटर बनाया है, जो हूबहू इंसानी दिमाग जैसा दिखता है। यह इंसानी दिमाग से दोगुनी रफ्तार से काम करेगा। इसका नाम 'डार्विन मंकी' रखा गया है। इसे पर्रीहु ळहग्नैूब के डेवलपर्स ने बनाया है। इसमें 20 अरब से ज्यादा एआई न्यूरॉन्स हैं। ये बायोलॉजिकल न्यूरॉन्स की तरह ही काम करते हैं। कंप्यूटर में 960 'डार्विन-3' चिप्स लगाए गए हैं। ये 100 अरब से ज्यादा स्नैप्स बनाते हैं। खास बात यह है कि यह सिर्फ 2000 वॉट बिजली खर्च करता है।यह ब्रेन कठिन सवाल भी मिनटों में हल करता है- यह सुपरकम्प्यूटर एआई को और एडवांस बनाएगा। यह लॉजिकल रीजनिंग और मैथ्स के कठिन सवाल भी हल कर सकेगा। यह जानवरों के दिमाग का सिमुलेशन भी कर सकता है। जैसे, बंदर, चूहे और जेब्राफिश का दिमाग। यह न्यूरोमोर्फिक कंप्यूटिंग तकनीक पर आधारित है। यह दिमाग की काम करने की प्रक्रिया की नकल करती है। इससे कंप्यूटर सीखने और फैसले लेने जैसे काम आसानी से कर पाता है। प्रोफेसर पैन गैंग के अनुसार, यह रोबोटिक्स, मेडिकल साइंस और रिसर्च में बड़े बदलाव ला सकता है।

ब्रेस्ट मिल्क से आइसक्रीम कैसे बन रही है? दुनिया में सिर्फ एक दुकान

आपने आइसक्रीम के तमाम फ्लेवर सुने और चखे होंगे। वनिला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, कैरेमल वगैरह-वगैरह, लेकिन अमेरिका में 'ब्रेस्ट मिल्क' फ्लेवर आइस्क्रीम काफी चर्चा में है। इसे बेबी प्रोडक्ट बनाने वाली एक कंपनी फ्रिडा और आइसक्रीम बनाने वाली कंपनी ऑड फैलोज ने हाल ही में लॉन्च किया है। यह आइसक्रीम ब्रेस्ट मिल्क से नहीं बनाई जाती। आइस्क्रीम में सिर्फ ब्रेस्ट मिल्ट का टेस्ट कॉपी किया गया है। फ्रिडा इसके स्वाद के बारे में बताती है कि यह मीठा, थोड़ा नमकीन और चिकनी है। साथ ही कोलोस्ट्रम (शिशु जन्म के बाद का पहला ब्रेस्ट मिल्क) जैसा पीलापन है। यह आइस्क्रीम लिमिटेड टाइम पीरियड के लिए बेची जा रही है। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में इसका सिर्फ एक आउटलेट है। इसके अलावा यह फ्रेडा की वेबसाइट से पूरे अमेरिका में ऑनलाइन ऑर्डर की जा सकती है।

ये कैसा देश जहां 99फीसदी लोग इंटरनेट यूज नहीं करते?

आज-कल इंटरनेट हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। बिना इंटरनेट के अब मॉडर्न लाइफ की कल्पना नहीं की जा सकती। कहीं जाने के लिए रास्ता ढूंढना हो, किसी नई चीज के बारे में जानना हो तो हम इंटरनेट की शरण में जाते हैं। पूरी दुनिया का यही हाल है, लेकिन इन सबके बीच एक देश ऐसा भी है जहां के 99फीसदी लोग इंटरनेट का यूज नहीं करते। इस इकलौते देश का नाम है इरीट्रिया। इस देश में मोबाइल डेटा जैसी कोई चीज है ही नहीं। यह देश अफ्रीका के ईस्टर्न साइड में लाल सागर के किनारे बसा है। इरीट्रिया को 'नॉर्थ कोरिया ऑफ अफ्रीका' भी कहा जाता है। तानाशाही वाला यह देश करीब 1.17 लाख वर्ग किमी में फैला है। यहां की कुल आबादी 35 लाख के आस-पास है। इसमें से सिर्फ 1 फीसदी लोगों यानी लगभग 35 हजार लोगों ने ही इंटरनेट यूज किया है।यहां लोग अपने घर में बैठकर इंटरनेट नहीं चला सकते हैं। इंटरनेट यूज करने के लिए जगह-जगह कैफे बने हैं। वहां वाई-फाई के जरिए ही इंटरनेट इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसकी स्पीड 2जी से भी कम स्पीड होती हैं। इस देश में काफी गरीबी है और इंटरनेट कैफे में 1 घंटे का चार्ज 100 इरिट्रियाई नक्फा (करीब 100 रुपए) है। इस वजह से यहां ज्यादातर लोग इंटरनेट इस्तेमाल नहीं कर पाते।

अखिलेश ने विधायक पूजा पाल को सपा से निकाला,विधानसभा में बोली थीं- योगी ने अतीक को मिट्टी में मिलाया; उसने ही पति की हत्या की थी

प्रयागराज। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल को पार्टी से बर्खास्त कर दिया। पूजा पाल ने गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान सीएम योगी की तारीफ में कहा था- उन्होंने

माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाया। पूजा पाल के इस स्पीच के बाद ही उनको पार्टी से निकाले का आदेश जारी कर दिया गया। विधायक पूजा पाल, राजू पाल की पत्नी हैं। 2005 में राजू पाल की हत्या अतीक अहमद ने की थी। पूजा पाल ने कहा- मुझे जो सही लगा, मैंने कहा। मैंने न सपा का नाम लिया, न ही अखिलेश यादव का। मैंने सिर्फ अतीक अहमद का नाम लिया। मैंने तो सिर्फ सीएम योगी को धन्यवाद दिया था। इसमें मैंने कोई अपराध नहीं किया। भाजपा जॉइन करने पर कहा- अभी मेरा ऐसा कोई प्लान नहीं है।सपा ने कहा- पूजा पाल द्वारा लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियां की गईं। चेतावनी देने के बावजूद उन्होंने इन्हें बंद नहीं किया, जिससे पार्टी को नुकसान हुआ। उनका आचरण पार्टी हितों के खिलाफ है। इसी कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से सपा से निष्कासित किया जाता है। साथ ही, उन्हें पार्टी के सभी पदों से हटाया जाता है। अब वह न तो सपा के किसी कार्यक्रम में शामिल होंगी और न ही इसके लिए आमंत्रित की जाएंगी। पूजा पाल ने आज विधानसभा में क्या कहा था, पूरा बयान पढ़िए- 'मैंने अपना पति खोया है, सब जानते हैं कि मेरे पति की हत्या कैसे हुई और किसने की। मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे न्याय दिलाया और मेरी बात तब सुनी, जब किसी ने नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया और अपराधियों को दंड दिया। मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर अतीक अहमद जैसे अपराधियों मिट्टी मिलाया है।मैं उनके इस जीरो टॉलरेंस का समर्थन करती हूं। मैंने तब आवाज उठाई, जब मैंने देखा कि कोई भी अतीक अहमद जैसे अपराधियों के खिलाफ लड़ना नहीं चाहता, जब मैं इस लड़ाई से थकने लगी, तब सीएम योगी ने मुझे न्याय दिलाया। आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री की ओर विश्वास से देखता है।' पूजा पाल ने क्या कहा, सवाल-जवाब में समझिये- सवालः अखिलेश यादव ने आपको पार्टी से निकाल दिया, क्या कहेंगी? जवाबः विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर चर्चा हो रही थी। मुझे जो सही लगा, मैंने कहा। मैंने न सपा का नाम लिया, न ही अखिलेश यादव का नाम लिया। मैंने सिर्फ अतीक अहमद का नाम लिया और अपनी परेशानियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने मुझे न्याय दिलाया, इसलिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया।

विशेष साक्षात्कारः साइबर सुरक्षा के सवालों पर साइबर थाना प्रभारी रीता सिंह से बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रचना त्रिवेदी (प्रश्न):- माननीय रीता सिंह जी, सबसे पहले आपका

रचना त्रिवेदी चैनल हेड आधुनिक समाचार

स्वागत है। वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। चित्रकूट जिले में इनकी क्या स्थिति है? रीता सिंह (उत्तर):- बहुत धन्यवाद। हाँ, यह सही है कि इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों में भी तेजी आई है। चित्रकूट जिले में भी डिजिटल फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग और बैंकिंग ठगी के मामले बढ़े हैं। लेकिन हमारी साइबर टीम सतर्क है और अधिकतर मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को ट्रैक किया गया है। प्रश्नः- ऐसे अपराधों से बचने के लिए आम जनता को क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए? उत्तरः- सबसे जरूरी है सतर्कता। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी या बैंक विवरण किसी से साझा न करें। सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी सीमित रखें। अगर कोई संदिग्ध कॉल, मैसेज या लेन-देन नजर आए, तो तुरंत साइबर थाना से संपर्क करें या 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें। प्रश्नः- यदि कोई साइबर अपराध होता है, तो पीड़ित व्यक्ति क्या प्रक्रिया अपनाए? उत्तरः- सबसे पहले, 24 घंटे के भीतर सूचना देना जरूरी है। आप 1930 पर कॉल कर सकते हैं या ".म्बिंम्स,ुदन.ग्ह पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। जितनी जल्दी सूचना मिलेगी, उतनी ही जल्दी पैसे को फ्रीज कर अपराधियों को ट्रैक किया जा सकता है। प्रश्नः- क्या आपकी टीम आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए कोई अभियान चला रही है? उत्तरः- हाँ, हम समय-समय पर स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में जाकर साइबर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया के माध्यम से भी जागरूकता फैलाई जा रही है। हमारा उद्देश्य है कि हर नागरिक साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक हो। प्रश्नः- 'आधुनिक समाचार' की टीम पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। आप इस भागीदारी को कैसे देखती हैं? उत्तरः- यह एक सराहनीय पहल है। मीडिया और पुलिस प्रशासन जब साथ मिलते

रीता सिंह साइबर थानाप्रभारी चित्रकूट

हैं तो जन-जागरूकता में तेजी आती है। मैं 'आधुनिक समाचार' का धन्यवाद करती हूँ कि आप लोग साइबर सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को प्राथमिकता दे रहे हैं। रचना त्रिवेदी (समापन):- बहुत-बहुत धन्यवाद रीता सिंह जी, आपने हमारे सभी सवालों का बेझिझक जवाब दिया। हमें विश्वास है कि आपकी बातों से चित्रकूट के नागरिक अधिक सतर्क और जागरूक होंगे। यह साक्षात्कार साइबर अपराध के प्रति सजग रहने और जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भव्य व दिव्य तरीके से जनपद में मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित समारोहों/कार्यक्रमों के विवरण के बारे में अवगत कराया है कि 15 अगस्त रात्रि तक सरकारी भवनों व /इमारतों/स्वतन्त्रता से जुडे स्थलों/शहीद उद्यान परासी दूबे को प्रकाशमान किया गया है, उन्होंने बताया कि 15 अगस्त, 2025 को प्रातः 07ः00 बजे जनपद एवं तहसील स्तर पर जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में रूट निर्धारित करते हुए प्रभात फेरी निकाली जायेगी तथा सम्बन्धित थानाध्यक्ष को भी सूचना उपलब्ध करायी जायेगी, अधिशासी अधिकारी द्वारा मार्ग को ठीक कराया जायेगा, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा एम्बुलेंस की व्यवस्था की जायेगी। सुबह 07.00 बजे क्रास कन्ट्री रेस तियरा स्टेडियम, राबर्ट्सगंज में आयोजित की जायेगी, जिसके मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी सदर होंगे जो हरी झण्डी दिखाकर क्रास कन्ट्री रेस का शुभारम्भ करेंगे, क्रास कन्ट्री के प्रतिभागियों को उप जिलाधिकारी सदर द्वारा पुस्कृत भी किया जायेगा, सुबह 08.00 बजे समस्त सरकारी व गैर् सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण

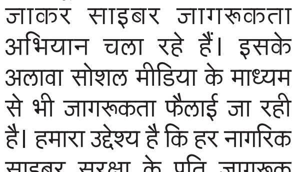

एवं राष्ट्रगान होंगे, जिसके संयोजक सभी कार्यालयाध्यक्ष होंगे, जिलाधिकारी द्वारा सुबह 08.00 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया जायेगा, पूर्वान्ह 10.35 बजे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं दिवंगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पत्नियों को सम्मानित किया जायेगा, तहसील राबर्ट्सगंज एवं घोरावल के दिवंगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पत्नी को सम्बन्धित तहसील के उप जिलाधिकारी/तहसीलदार द्वारा सम्मानित किया जायेगा, जिसके संयोजक उपजिलाधिकारी/तहसीलदार सदर/घोरावल, प्रभारी अधिकारी सं0क0 सोनभद्र-(कोआर्डिनेटर)/खान अधिकारी सोनभद्र होंगें, पूर्वान्ह 10.15 बजे जिले के सभी शिक्षण संस्थाओं पर ध्वजारोहण तत्पश्चात् सभी विद्यालयों पर वृक्षारोपण किया जायेगा एवं बच्चे पौध रोपण करेंगे, वृक्षारोपण उपरान्त विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम में डि-बेट खेलकूद कार्यक्रम,विकलांगों छात्रों के लिए विशेष खेलकूद का आयोजन, स्कूल चलों अभियान एवं स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में पूर्वाचल व जनपद सोनभद्र के सेनानियों का योगदान के सम्बन्ध में जानकारी, समसामयिक विषयों पर गोष्ठी, जिसके संयोजक सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक होंगे।

आईपीएस अधिकारी अजय साहनी को मिलेगा तीसरा राष्ट्रपति वीरता पदक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) (सुधांशु शर्मा ,रेडियो हेड की खास रिपोर्ट) लखनऊ। वरिष्ठ आईपीएस

अधिकारी अजय कुमार साहनी, जिन्होंने 52 एनकाउंटर का नेतृत्व किया है,इस वर्ष राष्ट्रपति वीरता पदक (President's Medal for Gallantry) से सम्मानित किया जाएगा। यह उनके ताबड़तोड़ करियर का तीसरा राष्ट्रपति पदक होगा।2009 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी अजय कुमार साहनी को पुलिस बल में धाकड़ छवि और एक बेहतरीन 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' के रूप में जाना जाता है। उन्हें यह पुरस्कार मेरठ में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2020) पर किए गए एक उच्च जोखिम वाले सशस्त्र अभियान में दिखाए गए असाधारण साहस के लिए दिया जा रहा है। अजय कुमार साहनी की दुर्लभतम बहादुरी, नेतृत्व और खतरे के बीच भी राष्ट्र समर्पण की भावना किसी से छुपी नहीं है। जिस भी क्षेत्र में अजय कुमार साहनी भेजे गए वहां की जनता और लोगों में अपनी एक अमिट छाप इस अधिकारी ने छोड़ी है।

सोनभद्र में होगा मां त्रिपुर सुंदरी के मंदिर का निर्माण- महामंडलेश्वर साध्वी सरिता गिरि, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी सरिता गिरि का हुआ अभिनंदन

एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्टसगंज/सोनभद्र। श्री गायत्री परिवार सोनभद्र द्वारा सोनभद्र नगर

की बेटी पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी हरिद्वार की नवनियुक्त श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी सरिता गिरि का स्वागत एवं अभिनंदन स्थानीय रामलीला मैदान के सभागार में किया गया। महामंडलेश्वर ने अपने उद्बोधन कहा कि- सरिता धाम ट्रस्ट द्वारा सोनभद्र जनपद में यथाशीघ्र ही मां त्रिपुर सुंदरी माता का एक भव्य मंदिर, धर्मशाला, अस्पताल, शिक्षण संस्थान का निर्माण शोण महानदके किनारे कराया जाएगा। जिससे सोनभद्र की धर्म, संस्कृति, साहित्य, कला व शिक्षा का विकास होगा। महामंडलेश्वर ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष, फलदार वृक्षों का वितरण कर अपील किया कि मां स्वरूप इस वृक्ष का रोपण करें और माता के समान इसकी सेवा सेवा करें ताकि यह वृक्ष मां की तरह हमारा भरण पोषण कर सके। संबोधन के पश्चात निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आध्यात्मिक स्नेह मिलन रामलीला मैदान के सभागार में ही संपन्न हुआ। इसके पूर्व कार्यक्रम स्थल पर एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन भंडारे के साथ हुआ। कार्यक्रम में राजकुमार तरुण, अरविन्द सिंह, दीपक कुमार केसरवानी, प्रकाश केशरी,राम देव, बंशनरायण, लालता प्रसाद, गोविंद उमर, मनोज सिंह, अरूण, मुन्श जी, गीता, सरिता, कुसुम, सूमन, ऊषा,रेखा, पुष्पा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

'जनता की सेवा ही मेरा धर्म है' - चौकी प्रभारी अमृत जायसवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्थानः बहादुरगंज, प्रयागराज संवाददाताः फेबियन जोसेफ, आधुनिक समाचार-

फेबियन जोसेफ आधुनिक समाचार

प्रयागराज के बहादुरगंज क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में दिन-रात मुस्तैदी से डटे रहने वाले चौकी प्रभारी अमृत जायसवाल से जब आधुनिक समाचार ने विशेष बातचीत की, तो उन्होंने न केवल अपने कार्य के प्रति समर्पण को साझा किया, बल्कि समाज और पुलिस के बीच विश्वास को मजबूत करने पर भी बल दिया।

प्र. - आपके कार्य की सबसे बड़ी चुनौती क्या रहती है? अमृत जायसवालः- सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि हम अपराध को न केवल रोकें, बल्कि जनता का विश्वास भी बनाए रखें। बहादुरगंज जैसे क्षेत्र में कई प्रकार की सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियाँ होती हैं, ऐसे में हर घटना पर तुरंत कार्रवाई और संतुलित रवैया जरूरी होता है। प्र. - आप जनता से संवाद कैसे बनाए रखते हैं? अमृत जायसवालः- हम समय-समय पर क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन करते हैं। स्थानीय लोगों, व्यापारियों और युवाओं से संवाद करना हमारी प्राथमिकता होती है। हमारा मानना है कि जब जनता पुलिस से जुड़ती है, तभी असली सुरक्षा सुनिश्चित होती है। प्र.-बहादुरगंज क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर आपकी प्राथमिकताएं क्या हैं? अमृत जायसवालः मेरी पहली प्राथमिकता है महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा। साथ ही, ट्रैफिक व्यवस्था, अतिक्रमण और छोटे-मोटे झगड़ों को समय रहते सुलझाना जरूरी है ताकि कोई बड़ी समस्या न बन सके।प्र.- भविष्य में आप क्या बदलाव लाना चाहते हैं? अमृत जायसवालः- मैं चाहता हूँ कि पुलिस और जनता के बीच सहयोग और अधिक बढ़े।

अमृत जयसवाल चौकीप्रभारी बहादुरगंज

इसके लिए हम जागरूकता अभियान, साइबर क्राइम से बचाव की जानकारी और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए कार्यशालाओं की योजना बना रहे हैं। प्र. - अंत में, 'आधुनिक समाचार' के पाठकों को कोई संदेश देना चाहेंगे? अमृत जायसवालः मैं यही कहना चाहूँगा कि पुलिस आपकी अपनी सेवा है। किसी भी समस्या या शिकायत में बेझिझक हमसे संपर्क करें। कानून का पालन करें और समाज में शांति बनाए रखने में सहयोग दें। चौकी प्रभारी अमृत जायसवाल जी की सादगी और सेवा भाव न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि वह इस बात का उदाहरण हैं कि जब पुलिस जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करती है, तो समाज में भरोसा और सुरक्षा दोनों बढ़ते हैं।

कड़वा सच है हम आज़ाद नहीं लेकिन, आज़ादी का जश्न मनाना पड़ता है

प्रयागराज।(आधुनिक समाचार

"असीम मित्रा" (आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नेटवर्क) के पत्रकार 'असीम मित्रा' ने बात की प्रयागराज के लोकप्रिय शायर 'कुमार विकास' से उनका वर्जन आजादी को लेकर उनकी अभिव्यक्ति शायरी के माध्यम से व्यक्त की- आज़ादी के आज के 79वें उत्सव पर भी ये देश कई तरह की मूलभूत समस्याओं से गुज़र रहा है। जिस देश में लगभग बीस करोड़ लोग रोज़ाना भूखे सोते हों और हर 24 घंटे में भूख के कारण लगभग सात हज़ार लोगों की मृत्यु हो जाती हो उस देश में आज़ादी का जश्न पूर्णतया मनाना शायद अभी बेमानी होगी। कृषि प्रधान देश में किसानों पर लाठियां चलती हो, किसान बदतर हालत में हों, जहाँ एक बड़ा तबका आज भी झुग्गी-झोपड़ियों में रहता है उस देश में आज़ादी पर आज भी हमें सोचने की ज़रूरत है, तभी मुझे कहना पड़ता है।(नारों से ये देश जगाना पड़ता हैः मज़लूमों को ख्व़ाब दिखाना

लोकप्रिय शायर कुमार विकास

पड़ता हैःकड़वा सच है हम आज़ाद नहीं लेकिनः आज़ादी का जश्न मनाना पड़ता है)।

जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में अभाविप सोनभद्र द्वारा 'विभाजन विभीषिका' पर संगोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय,

रॉबर्ट्सगंज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) सोनभद्र द्वारा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद एवं माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती कल्पना सिन्हा, एबीवीपी के प्रदेश सह मंत्री शशांक मिश्रा, विभाग संयोजक सौरभ सिंह तथा जिला संयोजक ललितेश मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रिंस पटेल द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक संपन्न कराया। ङ्प्रदेश सह मंत्री शशांक मिश्रा ने बताया कि विभाजन केवल एक राजनीतिक घटना नहीं थी, बल्कि यह लाखों लोगों के जीवन की त्रासदी थी। इसे याद रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि हम इतिहास से सीख सकें और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।' विभाग संयोजक सौरभ सिंह कहा कि संगठन का उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के इतिहास से जोड़ना है, जिससे राष्ट्रप्रेम की भावना और मजबूत हो। जिला संयोजक ललितेश मिश्रा ने बताया कि यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सामुदायिक केन्द्र रतापुर में लगाई गई अभिलेख प्रदर्शनी

डीएम व एसपी ने 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विभाजन विभीषिका

स्मृति दिवस के अवसर पर जनपद के रायबरेली विकास प्राधिकरण के सामुदायिक केन्द्र, रतापुर में विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल पासी, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने अभिलेख प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विभाजन विभीषिका की त्रासदी के दौरान प्राणोत्सर्ग करने वाले लोगों की याद में 02 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी।इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को भ्रमण कराकर प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया और इस ऐतिहासिक घटना के प्रति संवेदशील व जागरूक किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि गतवर्ष की भांति अपनी मातृभूमि के उन परिवारों को नमन करते हुए जिन्हें भारत के विभाजन के दौरान अपने परिवारजन के प्राण न्यौछावर करने पड़े ऐसे लोगों की स्मृति में विभाजन विभीषिका दिवस मनाया गया है। उन्होंने कहा कि देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नही था। भारत के लाखों लोगों ने बलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी, ऐसे समय पर देश का दो टुकड़ों में बंट जाने का दर्द लाखों परिवारों में एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमे न सिर्फ भेद-भाव वैमनस्य एवं दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलाएगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेन्द्र प्रताप सिंह, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, प्रभारी जिला पर्यटन अधिकारी सुधीर गिरी सहित

79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
'अजीत रावत' ब्लॉक प्रमुख रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र।

अजीत रावत ब्लॉक प्रमुख रॉबर्ट्सगंज,सोनभद्र

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर युवा सम्मेलन का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर युवा शक्ति द्वारा भव्य युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में युवाओं को देश के विकास में सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रेरित करते हुए एक नई दिशा और दृष्टि प्रदान की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जिस भारत को कभी 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था, आज वही भारत दहाड़ते हुए शेर की भांति विश्व पटल पर अपना परचम लहरा रहा है। युवा शक्ति ही सच्ची राष्ट्र शक्ति है, जो देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। वाई एस एस फाउंडेशन के संरक्षक एन. के. अग्रवाल ने संबोधन में कहा, 'किसी भी देश का विकास युवाओं के बिना अधूरा है। राष्ट्र समर्पण की भावना का बीजारोपण बाल्यकाल से ही होना चाहिए।' इस अवसर पर गोशाला पूर्व अध्यक्ष एवं संस्थापक एन. के. अग्रवाल, वाई एस एस फाउंडेशन के निदेशक सचिन गुप्ता, जिग्नेश मायावंशी, दुर्गा प्रसाद दुबे, पावनी मैत्रा, रिया गुलाटी एवं अन्य कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आर.डब्ल्यू.ए की सक्रियता से गौ माता की जान बची

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पॉकेट 7 सेक्टर 82 नोएडा के मेन गेट के पास वाले खंभे में पतंग का मांझा तारों से खंभे में लिपटा होने के कारण करेंट आ गया जिसकी चपेट में गौ माता आ गई। सेक्टर 94 से एम्बुलेंस को फोन किया गया हालांकि वह डेढ़ घंटे बाद आई लेकिन उसको सकुशल उपचार के लिए भेज दिया गया। सबसे अच्छी बात यह रही की गौ माता की जान बच गई। हम सभी लोग वहीं रहे और जब तक एम्बुलेंस नहीं आ गई गौ माता की खूब मालिश की जिससे ब्लड सर्कुलेशन ठीक बना रहे। इस मौके पर आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे, सुशील पाल , गोरेलाल कुमार, राजवीर सिंह, उपेंद्र सिंह , विष्णु शर्मा , रमेश चंद शर्मा , विनय त्रिवेदी , सहित तमाम लोग सेवा में लगे रहे जब तक गौ माता को एम्बुलेंस में उपचार के लिए नहीं भेज दिया गया।सभी का धन्यवाद इस मानवता के लिए।

डीएम की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति,पर्यावरण समिति व गंगा समिति की सयुक्त बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की संयुक्त बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा स्वच्छता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जनपद में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार वृक्षारोपण कार्य पूरा कराया गया है।उनकी जिओ टैगिंग और सुरक्षा सुनिश्चित करायेंगे। जिन विभागों ने जिओ टैगिंग नहीं कराई है शीघ्र करालें। वृक्षों के संरक्षण हेतु आवश्यक सुरक्षा उपाय जैसे ट्री गार्ड, नियमित सिंचाई एवं देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पर्यावरण समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक प्रतिबंध, वर्षा जल संचयन एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय स्थापित कर

हलछठ का पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 में हलछठ का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया।बलराम जी को बहुत शुभ माना जाता है। यह भगवान बलराम को समर्पित है। हर साल यह तिथि भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को मनाई जाती है। इस दिन हल षष्ठी व्रत को बहुत शुभ माना जाता है। हल षष्ठी, जिसे 'ललही षष्ठ' या 'हर छठ' के नाम से भी जाना जाता है। यह श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम को समर्पित है। यह हर साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। यह पर्व भगवान बलराम के जन्म का प्रतीक है, जिसे लोग श्रद्धा भाव के साथ मनाते हैं। यह तिथि सावन पूर्णिमा के छह दिन बाद पड़ती है। इस मौके पर श्रीमती विभा शुक्ला, श्रीमती वंदना पाठक, श्रीमती मंजू पाठक, श्रीमती सीमा शुक्ला, श्रीमती रीता मिश्रा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रोहिणी में भारी बर्षा से जल मग्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रोहिणी सेक्टर 30 सी2 पॉकेट में जल भराव की बहुत समस्या है सेक्टर 30 के निवासी एवं भारत जागरूक नागरिक संगठन के अध्यक्ष शैलेंद्र वर्णवाल ने बताया कि यहां प्लॉट एलोट हुए काफी साल हो गए हैं त परंतु समय के हिसाब से सेक्टर का विकास नहीं हुआ है।यहां के प्लॉट सड़क के लेवल से नीचे है कई प्लॉट गड्ढे में है।थोड़ी सी बारिश होने पर यहां जल भराव हो जाता है त बारिश का पानी मकान के दीवाल एवं नींव तक पहुंच जाता है।पानी सूखने में टाइम लगता है।इस कारण से बिल्डिंग के कमजोर होने की अंदेशा लगी रहती है।इस सेक्टर में अभी रोड निर्माण का कार्य शुरू हुआ है। जल भराव के कारण काफी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। ठहरे हुए जल में मच्छर एवं अन्य कीटाणु उत्पन्न होते हैं जिससे बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई हैत इस सेक्टर में कूड़ा निस्तारण का कोई प्रावधान नहीं किया ह। बारिश के कारण कूड़ा सड़क पर फैल जाता है। सेक्टर में गंदगी फैल जाती हैत अध्यक्ष शैलेंद्र वर्णवाल ने बताया कि दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी को कई बार पत्र लिखकर एवं अधिकारियों से मिलकर इसकी सूचना दी गई है परंतु अभी तक सेक्टर में गड्ढे में बने प्लॉट को भरने की एवं कूड़े निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

संस्कारित युवा राष्ट्र की अमूल्य धरोहर-आचार्य महेन्द्र भाई, यज्ञोपवीत बुराईयों से बचाता है -महात्मा वेद मुनि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोनीपत केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वाधान में 'विजय हाई स्कूल' सिक्का कालोनी में युवा संस्कार समारोह आयोजित किया गया।यह स्कूल शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता व उत्तम संस्कारों के कारण अपनी अलग पहचान रखता है।इसकी स्थापना मनोहर चावला जी ने इसी उद्देश्य को सामने रख कर की थी।अब उनके सुपुत्र जितेन्द्र चावला व शालिनी चावला जी इसको उत्तरोत्तर आगे बढ़ा रहे हैं। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन-बुद्धि-चित्त का वास होता है। हम सत्य सोचें,सत्य कहें और सत्य ही जीवन में आचरण करें तो हम ईश्वर के निकट आते हैं।संस्कारों का जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है जो हमें माता-पिता,गुरूजनों व सत्संगति से प्राप्त होते हैं।शिक्षा हमें अच्छा डाक्टर, इन्जीनियर,नेता, वकील,जज आदि तो बना सकती है परन्तु एक आदर्श इन्सान नहीं बना सकती है।हम अपने बच्चों को सब सुख-सुविधाओं के साथ अच्छे संस्कारों को देना कभी ना भूलें। संस्कारी युवा ही राष्ट्र की अनमोल सम्पत्ति है।उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी से प्रेरणा पाकर सैंकड़ों आर्य युवकों ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अपने जीवन को बलिदान कर दिया।हजारों की संख्या में जेलों में यातनायें झेली। कांग्रेस का इतिहास बताता है कि भारत की स्वतंत्रता में 85 प्रतिशत योगदान आर्यसमाज व आर्यसमाज से प्रभावित लोगों का रहा है। महात्मा वेदमुनि जी ने यज्ञोपवीत की अनिवार्यता,उपयोगिता व महत्व पर प्रकाश डाला।माता-पिता,गुरूजनों का सम्मान,सेवा-सुश्रुषा,प्राप्त ज्ञान का प्रचार व प्रसार करना एवं पर्यावरण की शुद्धि तथा प्रदूषण न करना और न करने देना यज्ञोपवीत के तीनसूत्रों का सन्देश है। स्वास्थ्य अधिकारी श्री श्याम लाल ने मलेरिया व डेंगू महामारी से बचाव के अनेक उपायों से हमें अवगत कराया।हम अपने कूलरों की सफाई, छतों पा डाले गये खाली बर्तनों आदि में रखे पानी को हटाना,गमलों में पानी इकठ्ठा ना होने देना आदि की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर हरबंस लाल अरोड़ा व सन्दीप बत्रा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।हम सड़क पर चलते हुए सड़क नियमों का पालन करना सीखें। स्कूल प्रबन्धक जीतेन्द्र चावला व शालिनी चावला ने सभी अतिथियों व अभिभावकों का आभार व धन्यवाद किया।सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी व स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। आर्यनेता हरिचन्द स्नेही ने कुशल मंच का संचालन किया और सभी छात्रों को उत्तम शिक्षा के साथ-साथ अच्छे सस्कारों के प्रदान करने के महान उद्देश्य को सामने रखा,इसके लिये प्रि. सीमा शर्मा व उनकी समस्त शिक्षक टीम की भूमिका की सराहना की। मुख्य रूप से दिल्ली प्रदेश के महामंत्री अरुण आर्य,नरेला मण्डल अध्यक्ष तुषार आर्य,विकास,शैलेन्द्र आदि प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एवियर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित एवियर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी का संयुक्त रूप से भव्य आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत 'भगवत गीता एवं देशभक्ति' विषय पर निबंध लेखन और देशभक्ति-थीम पर रंगोली प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद नृत्य और भजन गायन प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर को भक्ति और देशप्रेम के रंगों से भर दिया। रंगोली प्रतियोगिता में ह्यूमैनिटीज एंड लॉ डिपार्टमेंट ने प्रथम, साइंस डिपार्टमेंट ने द्वितीय और आईटी डिपार्टमेंट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में बीसीए की खुशबू कुमारी ने प्रथम, मुस्कान शर्मा ने द्वितीय और बीफार्मा की उपासना शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आईटी डिपार्टमेंट, द्वितीय स्थान आईटी डिपार्टमेंट और तृतीय स्थान मैनेजमेंट एंड कॉमर्स डिपार्टमेंट को मिला। चेयरमैन संदीप सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में सांस्कृतिक मूल्यों, देशभक्ति और आध्यात्मिकता का संचार करते हैं। कार्यक्रम में डायरेक्टर जनरल प्रो. एस.के. शुक्ला, प्रबंध निदेशक कनिका सिंह, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमरीश कुमार, डीन अभिषेक स्वामी सहित फैकल्टी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

विशिष्ट स्पोर्ट स्टेडियम तियरा में स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने जनपद में 79वॉ स्वाधीनता दिवस (15 अगस्त,2025) को मनाये जाने के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों का जायजा लियें, इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वाधीनता दिवस 15 अगस्त,2025 को होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गौंड़ सम्मिलित होंगें, इस दौरान होने वाले कार्यक्रमों की रूप-रेखा तैयार की जाये और निर्धारित समय से कार्यक्रम प्रारंभ किया जाये, प्रातः 8.30 बजे विशिष्ट स्पोर्ट स्टेडियम तियरा में मा0 मंत्री जी द्वारा ध्वजारोहण किया जाना निर्धारित है, जिन विभाग के अधिकारियों को उक्त कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम,तीरंदाजी, वृक्षारोपण, खेल-कूद,क्रास कन्ट्री रेस आदि से सम्बन्धित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जायें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत निकली तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर 'राष्ट्रीय सेवा योजना' के तत्वाधान में 14 अगस्त को ' हर घर तिरंगा अभियान 2025' के अन्तर्गत तिरंगा यात्रा आयोजित की गयी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर से एमजीआर बस्ती और बस स्टैंड में घर-घर जाकर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन दिवस पर हर घर तिरंगा पहराने के लिए स्थानीय निवासियों से जनसम्पर्क किया। इस क्रम में स्थानीय महिलाओं और बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। एनएसएस इकाई प्रथम और तृतीय के सौजन्य से बस्ती के लोगों के बीच 200 तिरंगा का वितरण भी किया गया। इस दौरान सहभागी स्वयंसेवकों द्वारा गगनचुम्बी देशभक्ति नारों ने सभी राहगीर का मनमोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनटीपीसी परिसर के प्रभारी डॉ प्रदीप कुमार यादव और समाजसेवी गुलाब सिंह ने संयुक्त रूप से 'हर घर तिरंगा अभियान' को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ मानिक चंद पाण्डेय ने तिरंगा यात्रा के उद्येश्य पर सभी का ध्यान आकर्षित करते हुये तिरंगा को हर भारतीय की आन, बान और शान बताया। अभियान का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनोद कुमार पाण्डेय और डॉ छोटे लाल प्रसाद ने किया। तिरंगा जागरुकता यात्रा में हिमांशु, राहुल, ज्योति, पल्लवी, पंकज, अनुष्का, खुशबू, रूपा, अमृता, शबा, सुमित आदि का सराहनीय योगदान रहा।

15 अगस्त, 2025 ' स्वतन्त्रता दिवस' के शुभ अवसर पर आदर्श नगर पालिका परिषद सोनभद्र की तरफ से समस्त नागरिकों का हार्दिक अभिनन्दन करती है एवं सुख समृद्धि की कामना करते हुए नगरवासियों से नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये जाने हेतु निम्न अपेक्षा करती है :-

1. नगरवासी वृक्षारोपण कर नगर को प्रदूषण मुक्त करने में सहयोग करें।
2. प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग कदापि न करें और न ही किसी को करने दें।
3. सफाई मित्र कर्मियों द्वारा कूड़ा उठाने के उपरान्त अपने मकान / दुकान / प्रतिष्ठान से निकला कूड़ा बाहर न फेकें।
4. घरों से निकलने वाले गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग करके डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन में ही दें।
5. खुले में पेशाव व शौच कदापि न करें।
6. सार्वजनिक भूमि, सड़कों, पटरियों एवं नालियों आदि पर अतिक्रमण न करें।
7. अपने पालतू जानवरों (गाय व अन्य) को सड़क पर खुला न छोड़े।
8. मार्ग प्रकाश के उपकरणों को क्षति न पहुंचाये।
9. जन्म-मृत्यु का पंजीयन 21 दिन के अन्दर निःशुल्क करायें।
10. नगरवासी अपना गृहकर / जलमूल्य बकाया का भुगतान करके नगर के विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।
11. सीवर सेप्टिंग टैंक की सफाई हेतु हेल्प लाइन नम्बर-14420 (टोल फी) पर कॉल करे।
12. नगर पालिका परिषद सोनभद्र से सम्बन्धित शिकायतों हेतु हेल्प लाइन नम्बर-1533 (टोल फ्री) पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करायें।

यह नगर आपका है, इसे स्वच्छ, सुन्दर, कूड़ा मुक्त, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त और प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना सहयोग करें।

रूबी प्रसाद
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सोनभद्र

समस्त सभासदगण,
नगर पालिका परिषद,
सोनभद्र

शुभकामना संदेश एवं अपील

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सोनभद की तरफ से 15 अगस्त 2025 'स्वतंत्रता दिवस, आजादी का अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा कार्यक्रम के शुभ अवसर पर जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। जनपद के स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्त जनपदवासियों से निम्न अपील की जाती है-

1. प्रत्येक पुरुष, महिला व बच्चो को स्वस्थ रखने के लिए व्यक्तिगत साफ-सफाई के साथ-साथ अपने आस-पास सफाई रखें। मच्छरदानी का प्रयोग अनिवार्यरूप से करें।

2. आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत वर्ष 2011 के जनगणना के आधार पर सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत चिन्हित पात्र परिवारो, लेबर कार्ड धारक व अन्त्योदय योजना कार्डधारक को प्रतिवर्ष 05 लाख रूपये तक का मुफ्त ईलाज सूचीबद्ध सरकारी एवं प्राईवेट चिकित्सालयों द्वारा प्रदान किया जाता है। पंजीकृत परिवार अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे, किसी भी प्रकार के रोग को अनदेखा न करे तथा आवश्यकतानुसार चिन्हित चिकित्सालय में समुचित उपचार निःशुल्क करायें। इस हेतु आयुष्मान भारत की सर्वे टीम को पूर्ण सहयोग करें। इसके अतिरिक्त 01 जनवरी 2024 को 70 वर्ष (आधार कार्ड के अनुसार) की आयु पूर्ण कर चुके बुजुर्ग नागरिकों को भी आयुष्मान कार्ड के अन्तर्गत 05 लाख तक के मुफ्त उपचार की व्यवस्था की गयी है।इसमें सभी पात्र बुजुर्गों का पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।

3. प्रत्येक मास की 01.09. 16 व 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत सभी ब्लाक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला संयुक्त चिकित्सालय में कुशल चिकित्सकों द्वारा गर्भवती की जांच की जाती। इस कार्यकम के अन्तर्गत गर्भवती माताओं की जांच अवश्य करायें जिससे कि खून में हीमोग्लोबिन की कम मात्रा को पूरा करते हुए, हाईरिस्क प्रिग्नेंसी अथवा जोखिम प्रसव से बचाव करते हुए, निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड करायें और जच्चा-बच्चा को स्वस्थ्य रखें।

4. 0-5 वर्ष के समस्त बच्चों का चिन्हित जानलेवा बीमारियों के टीके निःशुल्क लगाने की सुविधा समस्त स्वाथ्य केन्द्रों पर उपलब्ध है। इसे अनिवार्यरूप से लगवाना सुनिश्चित करें। गर्भवतियों का टीकाकरण समय से पूर्ण करायें।

5. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत निःशुल्क प्रसव, जननी शिशु सुरक्षा योजना के अन्तर्गत गर्भवती व प्रसूता को प्रोत्साहन धनराशि के रूप में शहरी क्षेत्र की प्रसूता को रू0 1000/- एवं ग्रामीण क्षेत्र की प्रसूता को रू0 1600/- प्रदान किये जाते हैं।

6. परिवार को सीमित रखने के लिए स्थायी व अस्थायी विधियों का लाभ लें एवं विस्तृत सलाह के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र अथवा आशा बहन से सम्पर्क करें।

7. टी0बी0 उन्मूलन कार्यक्रम में निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ लेते हुए, टी0बी0 मुक्त भारत अभियान में सहयोग दें। अपने आस-पास के टी0बी0 के मरीजों को चिन्हित करते हुए उनका डाट्स केन्द्र में पंजीकरण करायें एवं उन्हें मोषण निधि से रू0 1000/- का लाभ उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

8. जिला संयुक्त चिकित्सालय पर निःशुल्क मोतियाबिन्द आपरेशन व अन्य सेवायेंदी जाती है, इस हेतु अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र अथवा आशा / ए0एन0एम0 बहन से सम्पर्क स्थापित करके लाभ उठायें।

9. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं सामु0स्वा0 केन्द्र, म्योरपुर, सोनभद्र में संचालित एन0आर0सी0-पोषण पुनर्वास केन्द्र, एस0एन0सी0यू0-नवजात शिशु देखभाल केन्द्र तथा सभी ब्लाक केन्द्र पर एन0बी0एस0यू0 में नवजात शिशु का प्राथमिक उपचार व देखभाल निःशुल्क करायें।

10. संक्रामक रोगों से बचाव के लिए आस-पास की स्वच्छता का ध्यान रखें, जल श्रोतों की प्राप्त पीने योग्य पानी को विसंकमित करते हुए पीने के लिए प्रयोग करें।

डा0 अश्वनी कुमार
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनगद्र

श्री बी0एन0 सिंह (आई0ए0एस0)
जिलाधिकारी, सोनभद्र

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन की सगाई हुई बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं सानिया चंडोक से, वे मिस्टर पॉज पेट स्पा में डायरेक्टर

नयी दिल्ली। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन (25) की सानिया चंडोक से बुधवार को मुंबई में सगाई हो गई। सानिया मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती और गौरव घई की बेटी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तेंदुलकर परिवार और घई परिवार ने इंगेजमेंट की खबर की कोई भी इन्फॉर्मेशन शेयर नहीं की।जानकारी के अनुसार, सगाई कार्यक्रम बेहद निजी रखा गया था। इसमें दोनों परिवारों के लोग शामिल हुए थे। अर्जुन फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। वे घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलते हैं। आईपीएल में वे मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं। एक मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी (Mr. Paws Pet Spa & Store LLP) की पार्टनर और डायरेक्टर हैं।वहीं, घई परिवार हॉस्पिटैलिटी और फूड वर्ल्ड में

जाना-माना नाम है। उनका इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप है, जिसकी मल्टीनेशनल वैल्यू 18.43 बिलियन डॉलर (1.6 लाख करोड़ रुपए) है। मुंबई में भी इंटरकॉन्टिनेंटल होटल है। साथ ही फेमस आइसक्रीम ब्रांड ब्रूकलिन क्रीमरी के भी मालिक हैं।घई परिवार के बिजनेस की तुलना में मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी एक छोटा वेंचर है। इसकी 2022 में महज एक लाख रुपए की पूंजी से शुरुआत हुई थी। मिस्टर पॉज एक पेट-केयर स्पा और स्टोर है, जो मुंबई में स्थित है। यह पशुओं की स्किनकेयर, ग्रूमिंग और इससे संबंधित प्रोडक्ट्स की सेवाएं देता है। रवि घई ग्रेविस हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के चेयरमैन हैं। उनके पिता इकबाल किशन घई देश में क्वालिटी आइसक्रीम ब्रांड लेकर आए थे। उन्होंने ही मुंबई के मरीन ड्राइव में इंटरकॉन्टिनेंटल होटल बनवाया। पिता के नक्शेकदम पर रवि ने बिजनेस विदेशों, खासकर मिडिल ईस्ट में फैलाया। यहीं पर रवि ने आइसक्रीम मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स स्थापित कीं। ब्रूकलिन क्रीमरी आइसक्रीम ब्रांड रवि घई के पोते शिवान घई लेकर आए।अर्जुन तेंदुलकर ने मुंबई अंडर-16, अंडर-19 व अंडर-23 टीमों के लिए खेला। उन्होंने 2018 में श्रीलंका के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम से डेब्यू किया। डोमेस्टिक क्रिकेट में अर्जुन ने मुंबई के लिए खेलते हुए 2020 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में डेब्यू किया। इसके बाद 2021 में उन्हें छ्श्‍ में मुंबई इंडियंस ने खरीदा, हालांकि डेब्यू का मौका 2023 में मिला। अर्जुन ने बाद में गोवा की रणजी टीम से भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेला, जहां उन्होंने अपने पहले ही मैच में शतक लगाया।

लिएंडर पेस के पिता वेस का निधन,1972 ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे

नयी दिल्ली। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के पिता वेस

पेस का 80 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे पार्किंसंस बीमारी से जूझ रहे थे। उन्हें मंगलवार सुबह कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वेस 1972 में म्यूनिख ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे। वे मिडफील्ड पोजिशन पर खेलते थे। उन्होंने फुटबॉल, क्रिकेट और रग्बी जैसे कई खेलों में भी हाथ आजमाए। वे स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग के डॉक्टर भी थे। उन्होंने कई सालों तक बीसीसीआई के एंटी डोपिंग विभाग में काम किया। डॉ. वेस ने कलकत्ता क्रिकेट और फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। लिएंडर पेस साल 1992 में बार्सिलोना, 1996 में अटलांटा, 2000 में सिडनी, 2004 में एथेंस, 2008 में बीजिंग, 2012 में लंदन और 2016 में रियो ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने टेनिस में 1996 अटलांटा ओलिंपिक में कांस्य पदक जीता था। यह मेडल मेंस सिंगल्स में आया था, जो 44 सालों में भारत का पहला व्यक्तिगत ओलिंपिक मेडल भी था। इससे पहले साल 1952 में कुश्ती में खशाबा जाधव ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।लिएंडर पेस टेनिस में ओलिंपिक मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से शिकस्त देकर यह पदक अपने नाम किया था। पेस उस मैच में चोटिल होने के बावजूद भारत को यह पदक दिलाने में कामयाब रहे। महज 16 साल की उम्र में 'डेविस कप' में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले लिएंडर पेस 18 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। लिएंडर पेस डेविस कप में दुनिया के सबसे सफलतम खिलाड़ियों में शुमार हैं। उन्होंने डेविस कप में 44 डबल्स मैच जीते हैं। 1992 से 2016 तक लगातार सात ओलिंपिक में हिस्सा लेने वाले लिएंडर पेस को 1996-97 में 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। इसके बाद साल 2001 में उन्हें 'पद्म श्री', जबकि साल 2014 में 'पद्म भूषण' पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

क्या एशिया कप खेलेंगे शुभमन गिल,एक साल से भारत के लिए टी-20 नहीं खेला, ओपनिंग पोजिशन पर जगह भी खाली नहीं

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की जगह 3 में से 2 फॉर्मेट में तो फिक्स है, लेकिन सबसे छोटे फॉर्मेट में उनकी पोजिशन तय नहीं है। 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप के इंडियन स्क्वॉड में भी उन्हें जगह नहीं मिली थी। एशिया कप भी टी-20 फॉर्मेट में होगा। शुभमन ने पिछले 1 साल से भारत के लिए कोई टी-20 भी नहीं खेला, इस दौरान बाकी खिलाड़ियों ने उनके स्थान पर टॉप ऑर्डर में जगह बना ली। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि एक फॉर्मेट में भारत के कप्तान को टी-20 टीम में जगह भी मिलेगी या नहीं? टी-20 फॉर्म बेहतरीन शुभमन गिल ने भले ही 1 साल से टी-20 इंटरनेशनल नहीं खेला हो, लेकिन वे वनडे और टेस्ट में इस दौरान भारत के हर स्क्वॉड का हिस्सा रहे। उन्होंने 2 महीने पहले ही आईपीएल में भी हिस्सा लिया था। गुजरात टाइटंस से खेलते हुए उन्होंने पिछले सीजन 6 फिफ्टी लगाकर 650 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 155 से ज्यादा का रहा था। शुभमन आईपीएल में गुजरात टाइटंस के कप्तान भी हैं। पिछले साल हार्दिक पंड्या के चले जाने के बाद उन्होंने ही टीम की कमान संभाली। 2024 में तो टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी, लेकिन इस साल उन्होंने टीम को टॉप-4 में जगह दिलवाई। हालांकि, एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में जरूर शुभमन को मौका नहीं मिला, लेकिन उस टूर्नामेंट के बाद भारत के 3 सीनियर प्लेयर्स विराट कोहली,

रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा ने संन्यास ले लिया। अगली ही सीरीज फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई, जिसमें गिल को ही टीम की कप्तानी सौंपी गई। सीरीज में भारत को जीत भी मिली थी। जिम्बाब्वे सीरीज के बाद टीम श्रीलंका दौरे पर गई, यहां शुभमन को उप कप्तान बनाया गया। यानी मैनेजमेंट उन्हें व्हाइट बॉल फॉर्मेट में भी कप्तान के रूप में देख रहा है। वे वनडे टीम के भी उप कप्तान हैं, जिसमें उनकी जगह फिक्स है। हालांकि, भारत ने जब साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 खेले तो अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया। शुभमन को पिछली 2 सीरीज में बिजी शेड्यूल के कारण छोटे फॉर्मेट की टीम से आराम दिया गया था। अब एशिया कप का फाइनल भी 28 सितंबर को होगा, जिसके 4 दिन बाद ही टीम को 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट खेलना है। जिसमें शुभमन कप्तानी करेंगे। ऐसे में वर्कलोड को देखते हुए भी शुभमन को फिर एक बार टी-20 से बाहर रखा जा सकता है। टी-20 टीम में शुभमन गिल ओपनिंग करते हैं। गिल जब स्क्वॉड का हिस्सा नहीं रहे, तब अभिषेक शर्मा, यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ने उनकी जिम्मेदारी संभाली। तीनों ने ही इस पोजिशन पर निराश नहीं किया, सैमसन ने 3, अभिषेक ने 2 और यशस्वी ने 1 शतक लगाया। यशस्वी भी बिजी शेड्यूल के कारण पिछली 2 सीरीज का हिस्सा नहीं बन सके। इस दौरान अभिषेक और सैमसन ने इस पोजिशन को अपना बना लिया। सैमसन बैटिंग के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं, ऐसे में उनकी जगह फिक्स मानी जा रही है। शुभमन की असली रेस अभिषेक, यशस्वी और ऋतुराज गायकवाड से है। सभी के नाम टी-20 में भारत के लिए सेंचुरी है।शुभमन गिल ने भारत के लिए 21 टी-20 खेले हैं। इनमें उन्होंने करीब 140 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बनाए। इनमें न्यूजीलैंड के खिलाफ 1 शतक भी शामिल रहा। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पिछले साल भारत से आखिरी टी-20 खेला था। इस मैच में उन्होंने यशस्वी के साथ ओपनिंग की थी और 39 रन बनाए थे। इस मैच में सैमसन नंबर-3 पर उतरे थे। शुभमन को इंग्लैंड के खिलाफ 4 अगस्त को खत्म हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान पहली बार टेस्ट कप्तानी करने का मौका मिला। इसमें उन्होंने 754 रन बनाने के साथ टीम को 2 मुकाबले भी जिताए। जिस कारण सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही। शुभमन वनडे टीम के परमानेंट मेंबर है, वनडे वर्ल्ड कप के साथ चैंपियंस ट्रॉफी भी खेल चुके हैं। बीसीसीआई अगर भविष्य के लिए शुभमन को तीनों फॉर्मेट की टीम के कप्तान के रूप में देख रहा है तो उन्हें एशिया कप में मौका भी मिलेगा और उन्हें उप कप्तान भी बनाया जाएगा। क्रिकेट का एशिया कप इस बार टी-20 फॉर्मेट में 9 सितंबर से खेला जाएगा। भारत को पाकिस्तान, यूएई और ओमान में ग्रुप में रखा गया है। टूर्नामेंट यूएई के दुबई और अबू धाबी शहरों में होगा। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को है, वहीं टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी।

पहलवान सुशील कुमार की जमानत रद्द, फिर जेल जाना होगा,सुप्रीम कोर्ट ने कहा-एक हफ्ते में सरेंडर करे; रेसलर सागर के पिता बोले- इज्जत बची

पानीपत/सोनीपत। हरियाणा के दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। जूनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियन सागर धनखड़ हत्या मामले में कोर्ट ने उसकी जमानत रद्द कर दी और 7 दिनों के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के 4 मार्च के जमानत आदेश को पलटते हुए मृतक सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका को मंजूर किया। सागर धनखड़ की हत्या में सुशील कुमार और उसके साथियों पर संपत्ति विवाद को लेकर हमला करने का आरोप है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, सागर की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब सुशील कुमार को पुलिस के सामने सरेंडर करना होगा। वहीं, कोर्ट के इस फैसले पर सागर धनखड़ के पिता ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कोर्ट के इस फैसले से उनकी इज्जत बच गई है। कोर्ट के फैसले पर सागर के पिता ने कही 3 अहम बातें- सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मिली राहतः सागर के पिता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से वे काफी खुश हैं और वह इसे एक अच्छा फैसला मानते हैं। उनका मानना है कि इससे उन्हें जल्द न्याय मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि चार साल से ज्यादा समय बीत गया है, लेकिन अब उन्हें लगता है कि केस में सुनवाई आगे बढ़ेगी और न्याय मिलेगा। फैसले में सख्ती की मांगः सागर के पिता ने अपनी मांग जताई कि जो भी फैसला हो, वह जल्द से जल्द सुनाया जाए। उन्होंने कहा कि केस को बंद किया जाए और आरोपी को सख्त से सख्त सजा मिले। उन्होंने यह भी कहा कि

उनकी इच्छा है कि आरोपी को फांसी की सजा मिले। मामले की धीमी प्रक्रिया पर चिंताः उन्होंने बताया कि सुशील कुमार कभी खापों से फोन करवा रहा है, कभी महापंचायत बुला रहा है और कभी राजीनामा के लिए रिश्तेदारों से फोन करवा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सुनवाई लगातार हो रही है, गवाही भी चल रही है, लेकिन प्रक्रिया काफी धीमी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 6 हियरिंग के बाद फैसला लिया है।सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ मृदुल ने सागर धनखड़ के पिता की ओर से अदालत में पक्ष रखा, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने सुशील कुमार का बचाव किया, सुनवाई के बाद वकील जोशीनी तुली ने जानकारी देते हुए कहा- सुशील कुमार पर आरोप हैं कि उन्होंने 2021 में 22 अन्य लोगों को साथ मिलकर सागर धनखड़ समेत चार लोगों की हत्या की। अपनी अंतरिम जमानत के दौरान उन्होंने गवाहों के साथ छेड़छाड़ भी की। इसके कारण मुकदमे के दौरान सभी गवाह उनका समर्थन नहीं कर सके। सुशील कुमार के खिलाफ साइंटिफिक एविडेंस भी मौजूद हैं।दिल्ली हाईकोर्ट ने पहलवान सागर हत्याकांड के आरोपी रहे सुशील कुमार को 5 महीने पहले शर्त के आधार पर जमानत दी थी। सागर धनखड़ के चाचा नरेंद्र ने बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा सुशील को दी गई जमानत के खिलाफ दो दिन बाद ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद जमानत को रद्द कर एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने के आदेश दिए गए हैं।जानकारी के मुताबिक सुशील कुमार जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में 4 साल से तिहाड़ जेल में बंद था। 5 महीने पहले हाईकोर्ट ने उसे 50 हजार के बॉन्ड और इतनी ही राशि के जमानतदारों की गारंटी पर रिहा किया था। इस फैसले पर मृतक सागर धनखड़ के परिवार ने नाराजगी जताई थी। सागर के माता-पिता लगातार सुशील के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं और उनकी मांग है कि बेटे की हत्या का बदला केवल फांसी हो।सुशील कुमार पर आरोप है कि उसने 2021 में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम की पार्किंग में सागर धनखड़ और उसके दो दोस्तों पर जानलेवा हमला किया था, जिसमें सागर की मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि यह हमला युवा पहलवानों में वर्चस्व और प्रॉपर्टी विवाद के कारण हुआ था।जुलाई 2023 में सर्जरी के लिए भी सुशील को 7 दिन की अंतरिम जमानत मिली थी। रोहिणी कोर्ट ने आदेश दिया था कि इस दौरान उसके साथ 24 घंटे 2 सुरक्षाकर्मी रहेंगे। यह जमानत 23 जुलाई से 30 जुलाई तक के लिए थी, जिसके लिए सुशील कुमार को 1 लाख का निजी बॉन्ड भी भरना पड़ा था।पुलिस की ओर से दाखिल की गई चार्जशीट के मुताबिक, 4 मई 2021 को रात करीब 1 बजे छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग एरिया में पहलवानों के 2 गुटों में झड़प हो गई थी। इस दौरान फायरिंग भी हुई, जिसमें 5 पहलवान जख्मी हो गए थे। इनमें सागर (23), सोनू (37), अमित कुमार (27) और 2 अन्य पहलवान शामिल थे। इनमें से सागर ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह दिल्ली पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल का बेटा था। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें सुशील कुमार अपने दोस्तों के साथ जूनियर पहलवान को हॉकी से पीटता दिख रहा था। यह वीडियो सुशील कुमार ने ही बनवाया था। सुशील कुमार को इस घटना के बाद 23 मई 2021 को मुंडका के मेट्रो स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर सुशील को रोहिणी कोर्ट भेज दिया था।

नीरज चोपड़ा का बिजनेस संभालेंगी पत्नी हिमानी,टेनिस छोड़ रहीं,अमेरिका से डबल एमबीए किया, डेढ़ करोड़ का जॉब ऑफर ठुकराया

सोनीपत। हरियाणा के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा की पत्नी हिमानी मोर अब टेनिस रैकेट छोड़कर बिजनेस संभालेंगी। हिमानी ने अमेरिका की साउथ-ईस्टर्न लुइसियाना यूनिवर्सिटी से स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में पढ़ाई की है। इसके अलावा, उन्होंने न्यू हैम्पशायर की फ्रैंकलिन पियर्स यूनिवर्सिटी से स्पोर्ट्स एंड फिटनेस मैनेजमेंट और एचआर मैनेजमेंट में डबल एमबीए की डिग्री भी हासिल की है। अमेरिका में पार्ट टाइम सहायक कोच व महिला टेनिस टीम की प्रबंधक के तौर पर काम कर चुकी हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टोक्यो ओलिंपिक के बाद से चैंपियन नीरज चोपड़ा की ब्रांड वैल्यू में भारी बढ़ोतरी हुई है, जो 335 करोड़ रुपए तक पहुंची है। वह एंडोर्समेंट से ही प्रति वर्ष 4 करोड़ रुपए से अधिक कमा रहे हैं। इसी साल ऑडी इंडिया ने उन्हें अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है।इसके अलावा वह कई ग्लोबल और घरेलू ब्रांड्स को एंडोर्स करते हैं, जो उनकी कमाई का बड़ा जरिया है। उनके खेल प्रदर्शन के आधार पर साल 2016 में भारतीय सेना ने उन्हें सीधे जूनियर कमीशंड अधिकारी के तौर पर एंट्री दी।टोक्यो ओलिंपिक 2020 में नीरज ने जेवलिन थ्रो इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जबकि पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीता। अब उनके नाम से स्पोर्ट्स इवेंट भी हो रहे हैं। 5 जुलाई 2025 को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन थ्रो का इवेंट हुआ। अपने नाम से रखे इस इवेंट में नीरज भी शामिल हुए थे। यह वर्ल्ड लेवल का इवेंट जेएसडब्लू स्पोर्ट्स समूह के सह प्रायोजन में हुआ। इस इवेंट में हिमानी भी पहुंचीं। पिता चांद मोर ने बताया कि अब ऐसा इवेंट हर साल कराने की तैयारी है। इसमें नीरज होस्ट भी रहा और पार्टिसिपेंट भी।हिमानी मोर सोनीपत में टेनिस स्पोर्ट्स का जाना-माना चेहरा रही हैं। अपने चचेरे भाई नवीन मोर से प्रेरित

होकर खेलना शुरू किया। टेनिस को चुना। जून 1999 में जन्मीं हिमानी को खेल अपने परिवार से ही विरासत में मिला है। हालांकि, परिवार चाहता था कि हिमानी टेनिस के बजाय कबड्डी, कुश्ती और मुक्केबाजी को चुनें। हिमानी चौथी क्लास से ही टेनिस खेलने लगी थीं। टेनिस के खेल के सारे गुर अपनी मां से सीखे हैं। मां मीना मोर खुद पीटीआई रही हैं। हिमानी ने साल 2018 में टेनिस में डेब्यू किया। उसी साल उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पाई। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन की राष्ट्रीय स्तर पर हिमानी ने सिंगल्स में 42वीं और डबल्स में 27वीं रैंकिंग हासिल की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने लगभग 14 सप्ताह तक एआईटीए महिला डबल्स रैंकिंग में टॉप-30 में रहने का सम्मान प्राप्त किया। हिमानी ने वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी टेनिस यात्रा दिल्ली यूनिवर्सिटी के दौरान शुरू हुई। अमेरिका में भी सक्रिय रूप से खेला।नीरज व हिमानी ने इसी साल 14 से 16 जनवरी के बीच हिमाचल के सोलन के एक रिसॉर्ट में सीक्रेट तौर पर शादी की थी। शादी में दोनों के परिवार और बेहद करीबी लोग ही शामिल हुए। बाद में सोशल मीडिया में जारी तस्वीरों से शादी चर्चा में आई। चांद सिंह ने बताया कि शादी के तुरंत बाद हिमानी व नीरज अमेरिका चले गए थे। जाते वक्त हिमानी मायके में मिलने आई थी। उसके बाद 7 माह से मायके नहीं आई है।सोनीपत में रिसेप्शन को लेकर पिता चांद ने कहा कि नीरज के एक के बाद एक टूर्नामेंट होने के चलते कार्यक्रम डिसाइड नहीं हो पा रहा है। शेड्यूल काफी टाइट चल रहा है। हिमानी यूरोप में नीरज के साथ रह रही है। नीरज को सुबह-शाम प्रैक्टिस करनी होती है। हिमानी नीरज की डाइट और ग्राउंड प्रैक्टिस का मैनेजमेंट देख रही हैं। नीरज सितंबर में स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में होने वाली डायमंड लीग की जबरदस्त तैयारी में जुटे हैं। उसके बाद वह वर्ल्ड चैंपियनशिप खेलेंगे।पिता ने बताया कि रिसेप्शन पार्टी को लेकर शादी के बाद से कई बार प्लानिंग की जा चुकी है। दोस्त व रिश्तेदार भी लगातार पूछते रहते हैं। क्या करें, बटेऊ को ही फुरसत नहीं मिल रही। नीरज चोपड़ा अपने सभी इवेंट से फ्री हो जाएंगे, उसके बाद संभव है कि डेट फिक्स हो जाए। चांद मोर मजाकिया अंदाज में बोले, 'लगता है कि तब तक रिसेप्शन भी पुराना हो जाएगा।' हिमानी से कितनी बातचीत हो पाती है, इस पर पिता कहते हैं- हिमानी से आखिरी बार अपनी मां मीना मोर से करीब 25 दिन पहले बात की थी। हिमानी भी व्यस्त हो गई है।

आईसीसी रैंकिंग- रोहित शर्मा बिना खेले नंबर-2 वनडे बल्लेबाज बनेःबाबर के खराब खेल से फायदा, गिल नंबर-1 पर कायम; कोहली चौथे नंबर पर

दुबई। बुधवार को जारी हुई आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बिना मैच खेले

ही नंबर-2 बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के 756 रेटिंग पॉइंट्स हैं। भारतीय कप्तान को वेस्टइंडीज दौरे पर पाकिस्तानी बैटर बाबर आजम के खराब प्रदर्शन का फायदा हुआ है। बाबर 3 मैचों की सीरीज में 56 रन ही बना सके हैं। इससे वह दूसरे नंबर से खिसककर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की लिस्ट में शुभमन गिल नंबर-1 पर हैं। उनके 784 रेटिंग पॉइंट्स हैं। रोहित शर्मा ने 5 महीनों से कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे 9 मार्च 2025 को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में उतरे थे। अगर बाबर का ऐसा ही खेल जारी रहा तो विराट कोहली भी उन्हें पीछे कर देंगे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 में 83 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले टिम डेविड 6 स्थान के उछाल के साथ 10वें स्थान पर आ गए हैं। यह टिम डेविड के करियर की बेस्ट रैंकिंग है। भारत के अभिषेक शर्मा 829 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर हैं, जबकि तिलक वर्मा (804 रेटिंग पॉइंट्स) इंग्लैंड के फिल सॉल्ट (791 पॉइंट्स) को पीछे छोड़कर नंबर-2 पर आ गए हैं।एक दिन पहले मंगलवार, 12 अगस्त को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 बॉल पर शतक बनाने वाले 22 साल के साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में 80 स्थान का फायदा हुआ है। ब्रेविस ने नाबाद 125 रन की पारी खेली थी। वे 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारत के रवींद्र जडेजा लगातार 179 हफ्तों से नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर बने हुए हैं। उनके 405 रेटिंग पॉइंट्स हैं। ताजा रैंकिंग में टॉप-10 ऑलराउंडर्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट की बॉलर्स रैंकिंग में नंबर-1 बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के गेंदबाज मैट हेनरी को टेस्ट की बॉलिंग रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ है। वे 846 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-3 पर आ गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (838 अंक) को पीछे छोड़ा। हेनरी ने करियर बेस्ट रेटिंग पॉइंट्स हासिल किया है। उन्होंने जिम्बाब्वे केखिलाफ 16 विकेट झटके थे।

हरभजन बोले- भारत एशिया कप में पाकिस्तान से न खेले,देश पहले, क्रिकेट बाद में; खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भारतीय क्रिकेट टीम से अपील की है कि वह

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ न खेलें। हाल ही में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भी हरभजन, कप्तान युवराज सिंह और शिखर धवन जैसे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान चैंपियंस टीम के खिलाफ खेलने से इनकार किया था। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद हरभजन बोले- 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। हम उन्हें इतनी अहमियत क्यों देते हैं?' एशिया कप यूएई में हो रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत 9 सितंबर से होगी। भारत-पाकिस्तान का मैच लीग स्टेज में 14 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद सुपर-4 में एक बार फिर दोनों टीमें भिड़ेंगी। अगर भारत और पाकिस्तान दोनों फाइनल में पहुंचते हैं तो तीसरी बार दोनों के बीच मुकाबला होगा।हरभजन ने इंटरव्यू में कहा- 'टीम को समझना होगा कि क्या जरूरी है और क्या नहीं। हमारे बॉर्डर पर जो सैनिक खड़े रहते हैं, जिनके परिवार उन्हें महीनों तक नहीं देख पाते, कभी-कभी वे देश के लिए अपनी जान तक दे देते हैं और वापस नहीं आते , उनका बलिदान हमारे लिए बहुत बड़ा है। इसके मुकाबले में एक क्रिकेट मैच न खेलना बहुत छोटी बात है।' हरभजन ने कहा हमारी सरकार का भी यही रुख है। जब बॉर्डर पर तनाव है और दोनों देशों के रिश्ते खराब हैं, तब क्रिकेट खेलना ठीक नहीं है। जब तक ये बड़े मुद्दे हल नहीं होते, क्रिकेट बहुत छोटी चीज है। देश हमेशा पहले आता है। हरभजन ने यह भी कहा, हमारे सरहद पर भाई खड़े हैं, जो हमें और देश को सुरक्षित रख रहे हैं। उनका साहस देखिए, कितने बड़े दिल से वे डटे रहते हैं। सोचिए, उनके परिवार पर क्या बीतती है जब वे वापस नहीं आते और हम यहां क्रिकेट खेलने चले जाते हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में इंडिया चैंपियंस ने ग्रुप स्टेज और सेमीफाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। टीम ने यह फैसला पहलगाम आतंकी हमले के बाद लिया था।एशिया कप में भारत ग्रुप-ए में ओमान, मेजबान यूएई और पाकिस्तान के साथ रखा गया है, जबकि ग्रुप-बी में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका हैं। हरभजन ने मीडिया पर सवाल उठाते हुए कहा- 'हम उन्हें इतनी अहमियत क्यों देते हैं? क्या वे इतने जरूरी हैं कि हर न्यूज चैनल उन्हें दिखाए? जब हमने उनका बहिष्कार कर दिया है और उनसे बात नहीं करना चाहते, तो उन्हें यहां क्यों दिखाना? ये मीडिया की जिम्मेदारी है कि इसे रोके, आग में घी डालने का काम न करे।' उन्होंने आगे कहा, खिलाड़ियों को पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाना चाहिए, वैसे ही मीडिया को भी उन्हें और उनकी प्रतिक्रियाओं को टीवी पर नहीं दिखाना चाहिए। वे अपने देश में बैठकर जो चाहें कह सकते हैं, लेकिन हमें उन्हें हाइलाइट नहीं करना चाहिए।भारत मौजूदा एशिया कप चैंपियन है। उसने फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर अपना आठवां खिताब जीता था, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी देश का सबसे ज्यादा है।

गाथा आजादी की -5 सेकेंड में तय की आजादी की तारीख,1947 के बाद भी भारत पर कैसे कंट्रोल चाहते थे अंग्रेज; ब्रिटिश नजरिए से आजादी की पूरी कहानी

दिल्ली। तारीख- 4 जुलाई 1947, जगह- ब्रिटिश संसद। ब्रिटेन के पीएम क्लेमेंट एटली 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में खड़े हुए। उनके सामने रखा था- इंडियन इंडिपेंडेंस बिल 1947 का ड्राफ्ट।

वो कानून जिसे पारित करके भारत को स्वाधीनता सौंपी जानी थी। पीएम एटली ने बोलना शुरू किया, 'ये एक्ट हमारे साम्राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय है। भारत के लोगों की इच्छा अब और नहीं टाली जा सकती।' भारत को करीब 200 साल से लूट रहे ब्रिटिशर्स अचानक आजादी देने की बात क्यों करने लगे थे? स्वतंत्रता दिवस की 79वीं एनिवर्सरी पर जानिए भारत की आजादी की कहानी, अंग्रेजों के नजरिए से 1928 तक भारत ने ब्रिटेन से नहीं मांगी थी पूरी आजादी ईस्ट इंडिया कंपनी को 1600 ईस्वी में ब्रिटिश महारानी से कारोबार की इजाजत मिली। 8 साल बाद 1608 में कंपनी का पहला जहाज भारत के सूरत पहुंचा। कंपनी ने मुगल शासकों से टैक्स में छूट प्राप्त कर ली थी। भारत से सूती कपड़े,

रेशम, काली मिर्च, लौंग, इलायची और दालचीनी का कारोबार करने लगे। धीरे-धीरे कंपनी के अधिकारियों ने राजनीतिक मामलों में दखल देना शुरू किया। ताकत भी बढ़ाते रहे, जिससे देश के बड़े हिस्से पर उनका कंट्रोल हो गया। 1857 के स्वाधीनता संग्राम के बाद 1858 में ब्रिटिश संसद ने कानून पारित किया और भारत की सत्ता ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथ से ब्रिटेन की महारानी के हाथ में चली गई। सभी बड़े पदों पर ब्रिटिशर्स तैनात थे। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई और देशभर में अंग्रेजों का विरोध बढ़ना शुरू हुआ। 1909 में नए वायसराय लॉर्ड मिंटो ने कहा, 'हमें भारतीयों की मांग को दबाने के बजाय इसे सही दिशा देनी होगी।' जून 1917 में एडविन सैमुअल मोंटेग्यू को भारत का स्टेट सेक्रेटरी बनाया गया। मोंटेग्यू ने ब्रिटिश संसद में कहा, 'ब्रिटिश सरकार का इरादा भारत में प्रशासन के हर स्तर पर भारतीयों की संख्या बढ़ाना और धीरे-धीरे स्व-शासन विकसित करना है।' ये पहली बार था, जब भारत को लेकर ब्रिटेन में 'स्व-शासन' शब्द का जिक्र हुआ। हालांकि, अभी तक पूरी तरह आजादी जैसी कोई बात नहीं थी। 1928 में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस ने पहली बार भारत के लिए 'डोमिनियन स्टेटस' की मांग की। यानी ब्रिटिश साम्राज्य के अंदर ही एक देश का दर्जा, जिसकी अपनी सरकार हो।नेहरू ने कहा- हमें पूर्ण स्वराज से कम कुछ भी मंजूर नहीं, भड़क गए अंग्रेज कांग्रेस की डोमिनियन स्टेटस की मांग को ब्रिटेन ने खारिज कर दिया। '[illegible]' नाम का रिसर्च पेपर लिखने वाले इतिहासकार रोहित डे के मुताबिक, 'ब्रिटेन की संसद के अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं ने भी भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का विरोध किया। ये देश नहीं चाहते थे कि एक अश्वेत सरकार उनकी बराबरी करे।' कांग्रेस में जवाहरलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस जैसे युवा नेता, डोमिनियन स्टेटस की मांग को पर्याप्त नहीं मानते थे। दिसंबर 1929 में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में 700 शब्दों का प्रस्ताव पारित हुआ। इसमें कांग्रेस ने कहा- 'भारत को ब्रिटेन से संबंध तोड़कर पूर्ण स्वराज पाना होगा।' अगले ही साल गांधी ने दांडी में 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' के तहत नमक सत्याग्रह शुरू किया। आर. जे. मूर की किताब 'The Crisis of Indian Unity' के मुताबिक, वायसराय लॉर्ड इरविन बोले, 'एक बूढ़ा आदमी समुद्र तट पर नमक बनाकर हमारी सत्ता को चुनौती दे रहा है। भारत को डोमिनियन स्टेटस देना ब्रिटिश साम्राज्य को खतरे में डालेगा।'लंदन पहुंचे गांधी को चर्चिल ने 'अधनंगा फकीर' कहा 1931 में जब गांधी गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने लंदन गए, तो जॉर्ज पंचम ने उन्हें बकिंघम पैलेस में चाय पर बुलाया। अंग्रेज ये देखकर दंग थे कि इस औपचारिक मौके पर भी गांधी सिर्फ एक धोती और चप्पल पहने थे।

इस पर गांधी ने बाद में कहा था, 'सम्राट ने जितने कपड़े पहने हुए थे, वो हम दोनों के लिए काफी थे।' छह महीने पहले गांधी ऐसे ही धोती पहनकर वायसराय लॉर्ड इरविन से मिले थे। तब विंस्टन चर्चिल ने कहा था, 'ये कितना खतरनाक और घिनौना है कि विदेश से बैरिस्टरी पास शख्स अब राजद्रोही फकीर बनकर अधनंगा वायसराय के महल की सीढ़ियों पर दनदनाता हुआ चला जा रहा है और ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन चलाने के बावजूद सम्राट के प्रतिनिधि के साथ बराबरी से बैठकर समझौते की बात कर रहा है।' हालांकि, गोलमेज सम्मेलन में किसी समझौते पर बात नहीं बनी। 'फ्रीडम एट मिडनाइट' किताब के मुताबिक, 'लंदन से लौटने के बाद गांधी ने कहा- मैं खाली हाथ लौटा हूं। भारत को दोबारा सविनय अवज्ञा का रास्ता अपनाना होगा। एक सप्ताह भी नहीं बीता, चाय की दावत पर सम्राट का मेहमान रह चुका शख्स, पूना की यरवदा जेल में मेहमान बना दिया गया।' अगले तीन साल गांधी के जेल आने-जाने का सिलसिला चलता रहा। इधर लंदन में चर्चिल कहते रहे- 'गांधी को और हर उस चीज को जिसके लिए वो लड़ रहे हैं, कुचल देना होगा।' ब्रिटेन का प्रस्ताव- हमारी तरफ से जंग लड़ो, जीते तो डोमिनियन स्टेटस देंगे 1 सितंबर 1939 को दूसरा वर्ल्ड वॉर शुरू हुआ और 3 सितंबर को ब्रिटिश पीएम नेविल चेम्बरलेन ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध में शामिल होने की घोषणा कर दी। करीब 23 लाख भारतीय सैनिकों को ब्रिटेन की तरफ से युद्ध में झोंक दिया गया। मई 1940 में विंस्टन चर्चिल ब्रिटेन के नए पीएम बने। भारत की स्वाधीनता पर चर्चिल कहते थे- सम्राट ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य खत्म करने के लिए तो मुझे पीएम नहीं बनाया है। भारत को छोड़ना साम्राज्य की हार होगी। सत्ता दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथों में चली जाएगी। सारे भारतीय नेता निम्न स्तर के और घटिया किस्म के होंगे।' 1942 आते-आते विश्व युद्ध में ब्रिटेन कमजोर पड़ने लगा था। कई मौकों पर जापानी सेना से सामना होने पर ब्रिटिश सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। इस दौरान भारतीय सैनिकों की जरूरत थी। इसके लिए चर्चिल ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर स्टैनफोर्ड क्रिप्स को भारत भेजा।क्रिप्स ने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का चर्चिल का प्रस्ताव सुनाया, लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया। गांधी ने क्रिप्स से कहा, 'ये प्लान किसी डूबते हुए बैंक के नाम काटा हुआ पोस्ट डेटेड चेक है। अगर आपके पास कोई और सुझाव नहीं है, तो अगले जहाज से अपने देश लौट जाइए।' वापस ब्रिटेन लौटे क्रिप्स ने कहा, 'मैंने भारतीय नेताओं के अविश्वास को बहुत कम आंका था।' 8 अगस्त 1942 को बंबई (आज की मुंबई) में कांग्रेस के सम्मेलन में गांधी के तेवर हमेशा से अलग थे, उन्होंने गुस्से में कहा, 'मुझे तुरंत आजादी चाहिए। हो सके तो आज ही रात को या फिर सुबह होने से पहले।' गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था और इसी के साथ भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हो गया। अगले ही दिन गांधी को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर पूना में आगा खां महल भेज दिया। इसकी सुरक्षा में 72 पुलिस वाले लगाए गए थे। ब्रिटिश-आयरिश इतिहासकार निकोलस मैंनसर्ग की किताब 'The Transfer of Power' के मुताबिक, लॉर्ड लिनलिथगो ने कहा था, 'अहिंसा की आड़ में किया जा रहा ये विद्रोह युद्ध के चलते आई हमारी कमजोरियों को भुनाने की कोशिश है।' अमेरिका का अल्टीमेटम- भारत को 10 साल में आजाद करना ही होगा ब्रिटेन को द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका की सख्त जरूरत थी। अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ब्रिटेन के साम्राज्यवाद के खिलाफ थे। युद्ध के दौरान रूजवेल्ट और चर्चिल की 11 मुलाकातें हुईं। रूजवेल्ट के बेटे इलियट रूजवेल्ट इनमें से 8 मुलाकातों के दौरान मौजूद थे।1946 में उन्होंने अपनी किताब 'ऐज ही सॉ इट' में विस्तार से लिखा। एक जगह रूजवेल्ट चर्चिल से कहते हैं- 'हिटलर और आपमें क्या फर्क है? उसने यूरोप के एक हिस्से पर कब्जा किया है। आप दुनिया के एक चौथाई हिस्से पर कब्जा रखते हैं।' चर्चिल ने कहा, '1931 के वेस्टमिंस्टर कानून ने कनाडा, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे हमारे उपनिवेशों को पहले ही आजादी दे दी है।' इस पर रूजवेल्ट ने कहा, यह काफी नहीं है। भारत को जितना जल्दी हो सके, पांच या ज्यादा से ज्यादा 10 साल में डोमिनियन का दर्जा दिया जाना चाहिए।' चर्चिल भारत का नाम आते ही गुर्राए और कहा, 'मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने भारत का जिक्र किया, इंग्लैंड एक भी पल के लिए अपनी सबसे पसंदीदा जगह

को गंवाना नहीं चाहता। जहां के व्यापार ने इंग्लैंड को महान बनाया, वह इंग्लैंड के मंत्रियों की शर्तों के हिसाब से चलता रहेगा।' रूजवेल्ट ने कहा, 'भारत एक आधुनिक सरकार, अच्छे स्वास्थ्य और शिक्षा का हकदार होगा, लेकिन उसे ये सब कैसे मिले, जब ब्रिटेन हर साल उसकी सारी दौलत छीन रहा है।' कमरे में मौजूद रूजवेल्ट के करीबी सलाहकार हैरी लॉयड मुस्करा रहे थे, जबकि चर्चिल के सहयोगी कमांडर थॉम्पसन उदास थे। इतिहासकार विशाल मंगलवाडी लिखते हैं, 'इतिहासकारों ने हमें भारत की आजादी में अमेरिका की भूमिका नहीं बताई, लेकिन अमेरिका के इसी दबाव ने ही ब्रिटिश साम्राज्य को पूरी तरह ध्वस्त किया। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के हर उपनिवेश को आजादी मिली।'सेकेंड वर्ल्ड वॉर में ब्रिटेन की आर्थिक तबाही, भारत बोझ लगने लगा 1945 तक दूसरा विश्व युद्ध तो खत्म हो गया, लेकिन 5 सालों में ब्रिटेन का खजाना खाली हो गया। ब्रिटेन की जीडीपी25फीसदी गिर गई थी, उस पर अमेरिका का 4 बिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज था। 1944 में ब्रिटिश अर्थशास्त्री जॉन कीन्स ने कहा था, 'हम एक गरीब देश हैं, हमें उसी तरह जीना सीखना होगा।' लैरी कॉलिंस और डोमिनिक लैपियर अपनी किताब 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में लिखते हैं, 'दूसरे विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन की भारत पर पकड़ कमजोर हो चुकी थी और भारत की आजादी की मांग बहुत उग्र हो गई थी।' 5 जुलाई 1945 को ब्रिटेन में हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी ने 393 सीटें जीतीं, जबकि चर्चिल की कंजर्वेटिव पार्टी को सिर्फ 197 सीटें मिलीं। लेबर पार्टी के नेता और चर्चिल की सरकार में डिप्टी पीएम रहे क्लेमेंट एटली नए पीएम बने। ब्रिटेन के इम्पीरियल वॉर म्यूजियम के मुताबिक, 'चर्चिल को लगता था कि उनके पीएम रहते युद्ध में ब्रिटेन की जीत के कारण वह चुनाव जीत जाएंगे, लेकिन ब्रिटेन की जनता ने लेबर पार्टी के रोजगार और सस्ते घर जैसे चुनावी वादों पर भरोसा किया। नई लेबर सरकार के लिए ब्रिटिश साम्राज्य संभालना मुश्किल था। The Last Thousand Days of the British Empire, 2008 में इतिहासकार पीटर क्लार्क ने लिखा, 'भारत अब वह बोझ था, जिसे हम ढो नहीं सकते थे।' भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारे की लाइन खींचने वाले रेडक्लिफ ने भी बाद में एक इंटरव्यू में कहा था, दूसरे विश्वयुद्ध में इंग्लैंड लगभग कंगाल हो चुका था। वह लंदन का भार उठाने में कराह रहा था, ऐसे में वह किसी भी तरह से तेजी से भारत से अलग होना चाहता था।' इसके अलावा एटली, चर्चिल के मुकाबले उदारवादी थे। जब वह साइमन कमीशन के मेंबर के बतौर भारत आए, तो उन्होंने कहा था, 'ब्रिटिश शासन भारत के लिए विदेशी है, इससे भारत में सुधार नहीं हो सकते।' एटली का मानना था कि उपनिवेशों को अपनी सरकार चलाने का हक होना चाहिए।भारत छोड़ने को मजबूर हो चुकी ब्रिटिश सरकार को एक और झटका भारतीय नौसैनिकों ने दिया। 18 फरवरी 1946 को भारतीय नौसैनिकों ने बंबई (अब मुंबई) में विद्रोह कर दिया। सैनिकों ने कमांडर आर्थर फेडरिक किंग की कार के टायर पंचर कर उस पर अंग्रेजी में 'क्विट इंडिया' और सुभाष चंद्र बोस का नारा 'जय हिंद' लिखा। 20 फरवरी तक बंबई में नेवी की 11 यूनिट्स के 20 हजार सैनिक, 78 युद्धपोत, 23 नेवी स्टेशन इस विद्रोह से जुड़ गए। कराची बंदरगाह पर भी नेवी के दफ्तरों में बगावत शुरू हो गई। विद्रोह की अगुआई करने वालों में शामिल रहे बीसी दत्त ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- हम नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ काम करने वाले सैनिकों की रिहाई चाहते थे, क्योंकि उनका मकसद 'क्रांतिकारी कार्रवाई' था, वे हमारी ही तरह देशभक्त थे। हालांकि, सैनिकों ने कांग्रेस नेताओं, खासतौर पर सरदार पटेल के कहने पर 23-24 फरवरी को समर्पण तो कर दिया, लेकिन ब्रिटेन को समझ आ गया था कि भारतीय सेना अब भरोसेमंद नहीं रही। भारत की आजादी की तारीख अचानक तय हुई 20 फरवरी 1947 को एटली ने कहा, 'हम ब्रिटिश भारत को जून 1948 तक पूर्ण स्वशासन दे देंगे।' इसी दिन एटली ने लॉर्ड लुई माउंटबेटन को भारत का अंतिम वायसराय बनाने की घोषणा की। माउंटबेटन ने नेहरू, पटेल, जिन्ना और गांधी से मुलाकातें कीं। 3 जून 1947 को उन्होंने 'माउंटबेटन प्लान' पेश किया, जिसमें भारत-पाकिस्तान के विभाजन की योजना थी। माउंटबेटन ने कहा, 'अगर हम 1948 तक इंतजार करेंगे, तो गृहयुद्ध हो जाएगा।' 4 जून 1947 को लॉर्ड माउंटबेटन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। तभी एक सवाल आया कि 'अगर सभी लोग इस बात को मानते हैं कि सत्ता जल्दी से जल्दी सौंप देनी चाहिए, तो सर आपने इसकी कोई तारीख भी सोच रखी होगी?' 'फ्रीडम एट मिडनाइट' किताब के मुताबिक, 'माउंटबेटन ने अपने दिमाग के घोड़े दौड़ाने शुरू किए, क्योंकि उन्होंने कोई तारीख तय नहीं की थी। तभी उनके दिमाग में अपने जीवन की सबसे गौरवशाली जीत की याद आई, जब उनके नेतृत्व में जापान की सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। माउंटबेटन की आवाज अचानक रुंध गई और उन्होंने ऐलान कर दिया कि भारतीय हाथों में सत्ता 15 अगस्त, 1947 को सौंप दी जाएगी।' इस घटना को लॉर्ड माउंटबेटन ने बाद में याद करते हुए कहा, 'मैं ठान चुका था कि मैं ये साबित कर दूंगा कि सब मेरा ही किया धरा है।' हालांकि, अचानक अपनी मर्जी से तय और घोषित की गई आजादी की तारीख पर लंदन तक जैसे विस्फोट हो गया था।18 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश संसद में माउंटबेटन प्लान के आधार पर पारित हुए 'इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट' के तहत देश का बंटवारा हो गया और 15 अगस्त को सत्ता हस्तांतरण की तारीख तय हुई। हालांकि, भारत और पाकिस्तान अभी सिर्फ डोमिनियन स्टेट बने थे, न कि पूरी तरह आजाद मुल्क। इसके पहले 1 जुलाई 1947 को चर्चिल ने एटली को पत्र लिखकर 'इंडियन इंडिपेंडेंस बिल' के नाम पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'आप इसको 'इंडियन इंडिपेंडेंस बिल' कह रहे हैं। यह डोमिनियन स्टेटस है, न कि पूर्ण आजादी।' एटली ने 4 जुलाई 1947 को इसका जवाब दिया, 'हम नाम नहीं बदलेंगे, क्योंकि यह भारत की इच्छा का सम्मान है।' जब भारत आजाद हुआ तो, ब्रिटेन के 'द टाइम्स' अखबार ने लिखा,' भारत की स्वतंत्रता साम्राज्य की हार नहीं, बल्कि ब्रिटिश नीतियों की परिपक्वता है।' लंदन में इंडिया हाउस में एक छोटा समारोह हुआ। जहां भारतीय और ब्रिटिश ऑफिसर्स के बीच आजादी के डॉक्यूमेंट्स सौंपे गए। कुछ ब्रिटिश परिवार, जिनके रिश्तेदार भारत में सेना या किसी कार्यालय में काम कर रहे थे। उनकी ब्रिटेन वापसी हो रही थी। एक आईसीएस ऑफिसर की पत्नी ने कहा, 'मेरा दिल दिल्ली में है, जहां हमारा घर था, लेकिन अब वह हमारा नहीं रहा।' माउंटबेटन तब दिल्ली में थे। ब्रिटेन के नेशनल आर्काइव के मुताबिक, उन्होंने एटली को टेलीग्राम भेजा- 'भारत अब आजाद है, हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी की।'

सेहत बनाने के लिए दौड़ने की अति भी है नुकसानदायक

हम सभी जानते हैं कि देश में हर आयु-वर्ग के लोगों में जैसे-जैसे मोटापा बढ़ रहा है, वैसे ही दौड़ने की आदत भी बढ़ रही है। लेकिन हम यह भी जानते हैं कि किसी भी

अन्य गतिविधि की तुलना में दौड़ने में चोट लगने का जोखिम ज्यादा है। मैं यहां खराब सड़कों या फुटपाथों के कारण टखने में मोच जैसी चोट की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि जरूरत से अधिक दौड़ने के कारण होने वाली चोटों (ओवरयूज इंजरी) की बात कर रहा हूं। किसी भी नियमित धावक से उसके घुटनों के बारे में पूछें। परंपरागत तौर पर वे सभी कहेंगे कि हर एक कदम पर उनके शरीर के वजन से तीन गुना ज्यादा भूमि प्रतिक्रिया-बल लगता है। इससे घुटनों, पैरों और पैर के निचले हिस्सों पर बार-बार चोटें लगती हैं। लेकिन अपने तरीके के एक सबसे विशाल अध्ययन ने इस परंपरागत सोच को बदल दिया है, जिसमें 18 महीने तक औसतन 45 वर्ष आयु के 5200 से अधिक धावकों को शामिल किया गया था। उनका कहना है कि ये छोटी-मोटी चोटें या दर्द समय के साथ नहीं बढ़तीं, बल्कि सामान्यतः गलत तरीके से की गई महज एक कसरत या दौड़ के बाद शुरू होती हैं। और अक्सर ऐप्स और स्मार्ट स्पोर्ट्स वॉच की भ्रामक सलाह से ये और बदतर हो जाती हैं। यह अध्ययन डेनमार्क के आरहुस विश्वविद्यालय में जन-स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रोफेसर रैसमस ओएस्टरगार्ड नील्सन द्वारा किया गया था और हाल ही ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित हुआ। इस अध्ययन ने धावकों के चोटिल होने के तरीके और कारणों को लेकर एक बेहतर समझ प्रदान की। सर्वे में पाया गया कि अधिकतर धावकों को चोट तब लगी, जब उन्होंने अपनी सबसे लंबी रही दौड़ की दूरी को तीस दिन के भीतर ही दूसरी बार बढ़ा दिया। 18 महीने की शोध-अवधि में चोटिल हुए 35 फीसदी प्रतिभागियों की करीबी निगरानी करने वाले सर्वे में कहा गया है कि आकस्मिक तौर पर दूरी जितनी बढ़ाई जाती है, उतना ही धावकों के चोटिल होने की संभावना बढ़ती है। उदाहरण के लिए, अगर धावकों ने दौड़ की दूरी 5 किमी प्रतिदिन से बढ़ाकर 10 किमी कर दी, तो चोट का खतरा 128फीसदी बढ़ गया। जिन धावकों ने दूरी में 30फीसदी की वृद्धि की या 5.5 किमी से 6.5 किमी कर दी तो उनमें चोट लगने की जोखिम 64फीसदी बढ़ गई थी। एक और आदत है, जो चोट के जोखिम को बढ़ाती है, वह है दौड़ने के तरीके में अचानक बदलाव। मसलन, गति में अचानक बढ़ोतरी, किसी नई सतह पर बहुत अधिक दौड़ना या नए जूतों से बहुत दूरी तक दौड़ना। शोधकर्ताओं ने दौड़ में चोटों से बचने के लिए कुछ नए नियम सुझाए हैं। तो दौड़ना कैसे शुरू करें? पहली सलाह है कि सावधानी रखें। नए धावकों को प्रति सप्ताह 6 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ना चाहिए। वॉक और दौड़ के कॉम्बिनेशन में भी दूरी इससे अधिक ना रखें। फिर धीरे-धीरे इसे हफ्ता-दर-हफ्ता बढ़ाएं। यदि आप मध्य आयुवर्ग में हैं तो आमतौर पर एक दौड़ में महज 3फीसदी ही वृद्धि की सलाह दी जाती है, 5फीसदी भी नहीं। जूतों को कब बदलें? इस बारे में 1985 में अमेरिकन जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में थंबरूल तय किया गया था। इसमें शोधकर्ताओं ने दबाव और दूरी से जूतों पर पड़ने वाले असर को मापने के लिए मशीनों और दो इंसानों का उपयोग किया। अध्ययन में सिफारिश की गई कि 750 किमी के बाद नए जूते खरीदने चाहिए। हालांकि, जूतों का टिकाऊपन हमेशा इस पर निर्भर करता है कि दौड़ने की स्टाइल क्या है और दौड़ शुरू करते वक्त वजन कितना है। पेशेवर दौड़ की शुरुआत करने वालों को सलाह दी जाती है कि वे दो जोड़ी जूते खरीदें और बदल-बदलकर पहनें। ताकि पसीना सूख पाए और जूते के मिड-सोल फोम को डी-कम्प्रेस होने का समय मिले। नया अध्ययन बताता है कि जब आप नए जूते खरीदते हैं या बदलते हैं तो पहले दो सत्रों में चोट का जोखिम अधिक होता है। जब भी आप नए जूते खरीदें तो शरीर को एडजस्ट करने और आराम व असुविधा के प्रति प्रति?क्रिया देने का समय दें। फंडा यह है कि जैसे हर चीज की अति बुरी होती है, वैसे ही फिट रहने और एक बार में ही बहुत अधिक वजन कम करने के लालच में अत्यधिक दौड़ना भी नुकसानदायक है। बिना चोट लगाए फिट रहने के लिए कैसे दौड़ना है, इसे समझने के लिए धैर्य की आवश्यकता है। (एन. रघुरामन)

हमें घरों में भी अपनी स्वतंत्रताओं के लिए प्रयास करने होंगे

इस महीने की शुरुआत में लखनऊ की सड़कों पर सैकड़ों महिलाएं बेलन, झंडे और तलवारें लहराते हुए निकलीं। वे सांसद

डिम्पल यादव के पहनावे पर एक मौलवी की टिप्पणी का विरोध कर रही थीं। मौलवी ने डिम्पल के मस्जिद में साड़ी पहनने को अशोभनीय बताते हुए उस पर आपत्ति जताई थी। महिलाओं ने अपने विरोध को 'शक्ति का शंखनाद' नाम दिया। संदेश साफ था कि हमें मत बताओ कि क्या पहनना है, कैसे जीना है। यकीनन, यह एक प्रभावी विरोध-प्रदर्शन था। लेकिन यह एक स्याह सच्चाई को भी उजागर करता है, जिस बारे में हम अभी भी अधिक बातें नहीं करते। यह कि भले ही भारत की महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर अपनी स्वायत्तता के लिए लड़ाई लड़ रही हों, लेकिन हममें से कई अब भी अपने घरों में ही आजाद नहीं हैं। 'शादी के बाद सब कुछ बदल जाता है'- ये महज फिल्मों का घिसा-पिटा डायलॉग नहीं है। यह लाखों भारतीय महिलाओं की एक जीवंत सच्चाई है। हनीमून का खुमार उतरते-उतरते महिलाओं की शारीरिक, आर्थिक, लैंगिक और भावनात्मक स्वतंत्रताएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। कई महिलाओं के लिए शादी का मतलब घरेलू बंदीगृह में होने जैसा हो जाता है : खाना बनाना, देखभाल करना और समझौते करना। अपने वजन से लेकर कोख तक, हर चीज के लिए उन्हें जज किया जाता है। शादी के वक्त बहुतेरी औरतों को लगता है कि अब उन्हें पहले से ज्यादा आजादी मिलेगी, लेकिन उसका जीवन अदृश्य जंजीरों में जकड़कर रह जाता है- किससे मिलना है, कितना कमाना है, कब बोलना है और कब चुप हो जाना है- ये तमाम बंदिशें लगाई जाने लगती हैं। जब तक महिलाएं इसे समझ पाती हैं, उनका आत्मसम्मान एक 'अच्छी पत्नी' होने की किसी और की परिभाषा में फिट होने के लिए सिकुड़ चुका होता है। कई महिलाओं के लिए यही 'शादी के बाद आजादी' का सच है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे बच्चों के लिए नौकरी छोड़ दें। इस अंदेशे से आप कुछ प्रकार के कपड़े नहीं पहन सकते कि लोग क्या कहेंगे। ससुराल वाले जब आपका अपमान करें तो आपसे कहा जाता है कि 'एडजस्ट कर लो'। और ईश्वर ना करे अगर आपने संबंध तोड़ लिए तो आप पर स्वार्थी, नए जमाने की और अनैतिक होने तक का ठप्पा लगा दिया जाता है। तो जहां महिलाएं डिम्पल यादव के मनचाहे कपड़े पहनने के पूरी तरह से जायज हक के लिए प्रदर्शन कर रही होती हैं, वहीं हमें यह भी पूछना चाहिए कि क्या हम घरों में भी खुद को यह अधिकार देती हैं? क्या हम शादियों में रोजाना होने वाले लैंगिक भेदभाव पर सवाल उठाती हैं? क्या हम मानती हैं कि चारदीवारी के भीतर भी हमारी कोई आजादी होनी चाहिए? यह सिर्फ शादी का ही मसला नहीं है। शादी के इतर भी पूरे देश में पहनावे को लेकर महिलाओं पर कई तरह की पाबंदियां होती हैं। कुछ मंदिरों पर पोस्टर लगा कर महिलाओं को चेतावनी दी गई कि वे जींस, स्कर्ट या वेस्टर्न कपड़े पहनकर यहां ना आएं और आएं तो बाहर से ही दर्शन करें। इससे पहनावे के निजी चयन को लेकर आक्रोश पैदा हो गया। कॉर्पोरेट जगत की एक कंपनी ने भी लैंगिक भेदभाव वाले ड्रेस कोड के तहत महिलाओं से पिन्ड शॉल और चूड़ीदार पहनने और बालों को बांधकर आने के लिए कहा। इस पर भी लोगों ने प्रतिक्रियाएं देते हुए इसे आउटडेटेड और बचकाना बताया। ये घटनाएं एक पैटर्न को उजागर करती हैं। महिलाओं को आज भी निजी तौर पर और समाज में सम्मान, शालीनता और बराबरी का दर्जा पाने के लिए एडजस्ट करना पड़ता है। चाहे वह मौलवी हो, नौकरी देने वाला हो, मंदिर हो या ससुराल, संदेश यही है कि आपको हमारी माननी ही पड़ेगी। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम कहें कि 'बीवियों को आजादी दो'। यह सवाल उठाने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करें कि उनका आकलन अब भी कपड़ों या उनके व्यवहार से ही क्यों किया जाना चाहिए? क्योंकि यदि हम अपने ही घरों में अपनी स्वतंत्रताओं के लिए नहीं लड़े तो दुनिया के सामने विरोध-प्रदर्शनों के कोई मायने नहीं रह जाएंगे। (ये लेखिका के अपने विचार हैं) (मेघना पंत)

आवारा कुत्तों के मामले में कई पहलुओं पर समझ जरूरी है

मुम्बई में कबूतरों को दाना देने पर एफआईआर और दिल्ली में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सार्वजनिक विमर्श में ध्रुवीकरण हो गया है। लेकिन इस फेर में हमें बहस के छह वास्तविक और बड़े बिंदुओं को नजरों से ओझल नहीं होने देना चाहिए। 1. कानून : नसबंदी और रैबीज इंजेक्शन के बाद उसी स्थान पर कुत्तों को छोड़ने के नियम को सुप्रीम कोर्ट के जज ने बेतुका बताया है। कई लोग मनुष्यों की तरह कुत्तों के लिए भी जीवन की सुरक्षा और घूमने-फिरने के संवैधानिक अधिकार को मानते हैं। लेकिन फिर उस तर्क के अनुसार बकरी, भैंस, मुर्गा आदि के जीवन के अधिकार का सम्मान करते हुए देश में तमाम प्रकार की पशु-क्रूरताओं पर प्रतिबंध लग जाना चाहिए। विशेष दर्जा देने के तर्क के साथ कानून के अनुसार जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी होगी। कोई इंसान अगर दुर्व्यवहार या हिंसा करे तो उसे जेल भेजा जा सकता है। इसी तरह से हमला करने और काटने वाले कुत्तों को भी आबादी से दूर भेजना न्यायसंगत है। 2. स्वच्छता : राजधानी दिल्ली में सिर्फ 5767 कुत्तों का एमसीडी में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। डेंगू और मलेरिया रोकने के लिए भी कूलर के पानी की जांच होती है। इसी तरह सड़क, पार्क और कॉलोनियों में करोड़ों कुत्तों के शौच, पेशाब, जूठन खाने आदि की वजह से बढ़ रही गंदगी और बीमारियों को रोकने के लिए भी नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। कोरोना के वायरस को रोकने के लिए पूरे देश की जनता को क्वारेंटाइन और लॉकडाउन में झोंक दिया गया था। इसी आधार पर हिंसक या खतरनाक कुत्तों को भी आबादी से दूर भेजने की जरूरत है। 3. जज : 4 साल पहले केरल हाईकोर्ट ने ब्रूनो कुत्ते की हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। इसलिए करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन चीफ जस्टिस के आदेश के बाद इस मामले की सुनवाई अब तीन जजों की नई बेंच करेगी। पिछले कई फैसलों पर हो रहे विवादों से साफ है कि जजों की व्यक्तिगत अभिरुचि और मीडिया के दबाव के बगैर संविधान और कानून के अनुसार अदालत के फैसले होने चाहिए। आनन-फानन में जज बदलने या फैसलों को पलटने से जजों के साथ सर्वोच्च न्यायालय का मान कमजोर होता है। पटाखे और वाहनों पर प्रतिबंध के पुराने फैसलों पर विवाद से साफ है कि जनहित से जुड़े मामलों में राजधानी दिल्ली या एनसीआर की बजाय पूरे देश में सुप्रीम कोर्ट के फैसले लागू होने चाहिए। 4. रैबीज : पिछले साल भारत में लगभग 6 करोड़ आवारा कुत्तों के काटने के 37 लाख से ज्यादा मामले आए। जबकि सिर्फ दिल्ली-एनसीआर में 11 लाख आवारा कुत्तों ने इस साल अभी तक लगभग 6.62 लाख लोगों को काट लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रैबीज की वजह से साल 2004 में भारत में 20,565 सालाना मौतें हुई थीं, जो कि पूरी दुनिया में रैबीज से होने वाली मृत्युओं का 35 फीसदी है। रैबीज केवल कुत्तों से ही नहीं फैलता, लेकिन इसके 96 फीसदी से ज्यादा मामले कुत्तों के काटने से ही होते हैं। चिंताजनक बात यह है कि एंटी रैबीज वैक्सीन के साथ ही इम्युनोग्लोबुलिन भी दिया जाता है, जो देश के अधिकांश अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है। 5. मुआवजा : सर्पदंश के सालाना 58 हजार मामलों की अब बीमारी के तौर पर रिपोर्टिंग जरूरी हो रही है। उसी तर्ज पर कुत्तों के काटने के हर मामले की रिपोर्टिंग भी जरूरी है। एक स्ट्रीट डॉग को लाठी से पीटने के मामले में दिल्ली पुलिस के एएसआई के खिलाफ साढ़े तीन साल बाद मुकदमा दर्ज हुआ था। उसी तर्ज पर कुत्तों के काटने के मामले में मालिकों और अनुचित संरक्षण देने वालों पर मुकदमा होना चाहिए। आक्रामक कुत्तों की ब्रीडिंग और उनको पालने पर प्रतिबंध लगना चाहिए। कुत्तों के काटने के सभी मामलों में फ्री इलाज के साथ पीड़ित व्यक्ति और परिवार को समुचित मुआवजा मिलना चाहिए। 6. बजट : आवारा कुत्तों के बढ़ते संकट में नसबंदी, रैबीज इंजेक्शन और शेल्टर हाउस हजारों करोड़ के फंड में एनजीओ और अफसरों का भ्रष्टाचार उजागर हो रहा है। देश में 40फीसदी आबादी पोषक भोजन से वंचित है तो फिर दिल्ली के कुत्तों के विस्थापन के लिए 15 हजार करोड़ रुपए के खर्च का जुगाड़ कैसे होगा? आज भारतीय पेट-केयर का बाजार ही एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का है। समृद्ध वर्ग के पशु प्रेमियों को आयातित कुत्तों के बजाय आवारा कुत्तों को गोद लेने के साथ उनके कल्याण की योजनाओं को सफल बनाने के लिए सीएसआर की तर्ज पर अधिकतम आर्थिक सहयोग देना चाहिए। दिल्ली-एनसीआर में 11 लाख कुत्तों ने इस साल अभी तक लगभग 6.62 लाख लोगों को काट लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रैबीज से 2004 में भारत में 20,565 सालाना मौतें हुई थीं, जो पूरी दुनिया की 35फीसदी थीं। (ये लेखक के अपने विचार हैं विराग गुप्ता)

'हम केजरीवाल के रिश्तेदार नहीं, हमें क्यों हटा रहे',मोहल्ला क्लिनिक स्टाफ बोला- फोन पर इस्तीफा मांग रहे,सीएम मैडम बताएं हमारी क्या गलती

नयी दिल्ली। 'सीएम मैडम आरोग्य मंदिर खोल रही हैं। हमें उससे दिक्कत नहीं। हम बस यही चाहते हैं कि नया स्टाफ बुलाने के बजाय पहले हमें नौकरी दी जाए। हमने फर्स्ट एड की ट्रेनिंग ली है। दिल्ली सरकार का एग्जाम भी पास किया है। हमें प्रेफरेंस मिले। ऐसा नहीं है कि हम केजरीवाल के रिश्तेदार हैं या उन्होंने हमें नौकरी पर लगाया है।' दीपक कुमार दिल्ली में मंगोलपुरी के मोहल्ला क्लिनिक में पिछले 6 साल से काम कर रहे हैं। वो समय पर सैलरी न मिलने से पहले से परेशान हैं। अब दिल्ली में बीजेपी सरकार के हेल्थ स्कीम शुरू करने के बाद उन्हें नौकरी जाने का डर सता रहा है।

दीपक की ही तरह कुछ स्टाफ ये भी आरोप लगा रहे हैं कि उनसे फोन कॉल पर इस्तीफा मांगा जा रहा है। दरअसल, केंद्र और राज्य सरकार ने दिल्ली में नई हेल्थ स्कीम आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू की है। इसके तहत पुरानी डिस्पेंसरी को मॉडिफाई करके आरोग्य मंदिर खोले जा रहे हैं। फर्स्ट फेज में 33 सेंटर खोले जा चुके हैं। इनमें स्टाफ की भर्ती भी हो गई है। हालांकि, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने मोहल्ला क्लिनिक के स्टाफ को भर्ती में प्राथमिकता देने का वादा किया था। लिहाजा, आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक के संविदा डॉक्टर्स समेत बाकी स्टाफ ने 28 जुलाई को इसे लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की। कर्मचारियों ने नौकरी से हटाने पर रोक लगाने और समय पर सैलरी दिए जाने की मांग की है। स्टाफ का आरोप है कि मोहल्ला क्लिनिक में जानबूझकर ऐसे हालात बनाए जा रहे हैं कि वे खुद बंद हो जाएं।पता करने पर फोन कॉल पर इस्तीफा मांग रहे, विरोध करने पर ट्रांसफर हमने मौजूदा हालात को लेकर मोहल्ला क्लिनिक के स्टाफ से बात की। उनका आरोप है कि उन्हें एक-एक कर बिना कारण बताए हटाया जा रहा है। कर्मचारियों से फोन कॉल पर इस्तीफे मांगे जा रहे हैं। उन्हें कोई लिखित आदेश भी नहीं दिया गया है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मोहल्ला क्लिनिक का स्टाफ ट्रांसफर किया जाएगा, लेकिन अब हमसे जबरदस्ती नया एमओयू साइन कराया जा रहा है। उसमें लिखा है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नए स्टाफ की भर्ती होगी और उनके आते ही आपको हटा दिया जाएगा। इसका विरोध करने पर जबरन ट्रांसफर किया जा रहा है। इनके आरोपों को समझने के लिए हम मंगोलपुरी में मौजूद मोहल्ला क्लिनिक पहुंचे। यहां हमें दीपक कुमार मिले। वो मोहल्ला क्लिनिक में 2019 से काम कर रहे हैं और मल्टी-पर्पज वर्कर की पोस्ट पर तैनात हैं। दीपक इससे पहले डीटीसी बस में कंडक्टर की नौकरी करते थे। वे सिलेक्शन को लेकर बताते हैं, '2018 में दिल्ली सरकार ने मोहल्ला क्लिनिक में नियुक्ति के लिए फॉर्म निकाला था। दिल्ली की आईपी यूनिवर्सिटी ने एग्जाम लिया था। मेरी 180 रैंक आई और सिलेक्शन भी हो गया, जिसके बाद 25 अगस्त 2019 को हमारी भर्ती हुई।सैलरी पहले से कम हुई, नौकरी जाने का डर अलग दीपक बताते हैं, 'पहले हमें अच्छी सैलरी मिल जाती थी। प्रति मरीज के 8 रुपए के हिसाब से हमें महीने का 30 हजार रुपए तक मिल जाता था। अब किसी महीने 15 हजार तो किसी महीने 10 हजार रुपए ही मिलते हैं।' वजह पूछने पर दीपक बताते हैं, 'पिछले साल केजरीवाल सरकार ने नियम बनाया था कि एक दिन में एक क्लिनिक पर सिर्फ 150 मरीज ही देख सकते हैं। एक भी मरीज ज्यादा हो जाता है तो उसे लौटाना पड़ता था। इस वजह से हमारी सैलरी भी कम हो गई है। जबकि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्टाफ की फिक्स सैलरी है, फिर चाहे एक ही मरीज आए।' 'कुछ एमपीडब्लू की तो 2 हजार सैलरी भी आ रही है। उनके लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। मेरा बड़ा परिवार है। माता-पिता, बीवी और दो बच्चे हैं। बच्चों की फीस भरनी है। बीमार मां का इलाज भी कराना है। इतने पैसों में सब कर पाना बहुत मुश्किल हो जाता है।'सीएम मैडम बोलती कुछ हैं और करती कुछ हैं दीपक आगे बताते हैं, 'सीएम मैडम ने खुद बोला था कि जब भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलेंगे, सबसे पहले हमें वहां शिफ्ट किया जाएगा। अब हो कुछ और रहा है। वो बोलती कुछ, और करती कुछ हैं। अब तक जितने भी आरोग्य मंदिर खुले हैं, कहीं भी मोहल्ला क्लिनिक का स्टाफ नहीं लिया गया। वहां आरएमएल और अन्य अस्पतालों से परमानेंट स्टाफ भेजा जा रहा है।' 'हमें सीएम ने कोई गारंटी भी नहीं दी है कि नौकरी मिलेगी। बल्कि इस साल हमारा कॉन्ट्रैक्ट भी खत्म हो रहा है। कॉन्ट्रैक्ट में लिखा है कि हमारी नियुक्ति सिर्फ मार्च 2026 तक ही है। उसके बाद हमारा क्या होगा, कुछ नहीं पता।'जब से बीजेपी सरकार आई है, तब से हमें नौकरी जाने का डर लगा हुआ है।' दीपक कहते हैं, 'हम हेल्थ सेक्रेटरी पंकज गुप्ता से भी कई बार मिल चुके हैं, लेकिन नौकरी को लेकर कभी कोई आश्वासन नहीं मिला। हेल्थ मिनिस्टर बोलते हैं कि हमें हटा दिया जाएगा। मैं चाहता हूं हमें जॉब सिक्योरिटी दी जाए।'निधि मंगोलपुरी मोहल्ला क्लिनिक में बतौर मेडिकल कंसल्टेंट काम करती हैं। वो भी 2019 से यहां काम कर रही हैं। वे बताती हैं, 'सीएम रेखा गुप्ता ने मोहल्ला क्लिनिक के स्टाफ को ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लेने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। आरोग्य मंदिर में नया और परमानेंट स्टाफ नियुक्त किया जा रहा है। इन्हें दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों से बुलाया जा रहा है। जबकि हमें धीरे-धीरे हटाने का काम हो रहा है।'

'वोट चोरी' पर चुनाव आयोग बोला-ऐसे गंदे शब्दों से बचें:यह करोड़ों वोटर्स पर हमला; राहुल ने कहा था- आयोग वोट चोरी करा रहा

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों का जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कहा, 'वोट चोरी' जैसे गंदे शब्दों का इस्तेमाल कर झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश करना करोड़ों भारतीय मतदाताओं पर सीधा हमला है।' आयोग ने कहा, ऐसे आरोप लाखों चुनावकर्मियों की ईमानदारी पर भी चोट है। 'एक व्यक्ति, एक वोट' का कानून भारत के पहले आम चुनाव 1951-1952 से ही लागू है। यदि किसी के पास इस बात का प्रमाण है कि किसी व्यक्ति ने किसी चुनाव में वास्तव में दो बार मतदान किया है, तो उसे बिना किसी सबूत के देश के सभी मतदाताओं को 'चोर' कहने के बजाय, एक शपथ-पत्र के साथ निर्वाचन आयोग को यह प्रमाण सौंपना चाहिए।12 अगस्त : राहुल ने कहा था- पिक्चर अभी बाकी है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने 12 अगस्त को कहा था, 'केवल एक सीट नहीं बल्कि बहुत सी सीटें हैं, जहां वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की जा रही है। यह नेशनल लेवल पर सिस्टमेटिकली किया जा रहा है।' बिहार की अपडेट हुई वोटर लिस्ट में 124 साल की 'फर्स्ट टाइम' वोटर मिंता देवी के सवाल पर राहुल ने कहा- 'हां, मैंने उसके बारे में सुना है। ऐसे एक नहीं, अनलिमिटेड केसेस हैं। पिक्चर अभी बाकी है। कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस भेजकर उनके वोट चोरी वाले बयान पर सबूत मांगे। राहुल ने 7 अगस्त को आरोप लगाया था कि महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1 लाख से ज्यादा वोट चोरी हुए हैं और एक महिला ने दो बार मतदान किया। सीईओ ने रविवार 10 अगस्त को कांग्रेस नेता को भेजे लेटर में लिखा कि राहुल ने प्रेजेंटेशन में जो दस्तावेज और स्क्रीन शॉट दिखाए, वे चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते।राहुल ने कहा- चुनाव आयोग यह जानता है और हम भी जानते हैं। पहले कोई सबूत नहीं था, लेकिन अब हमारे पास सबूत हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति एक वोट संविधान की नींव है। ई.सी का कर्तव्य है कि वो 'एक व्यक्ति एक वोट' को लागू करे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। हम ऐसा करते रहे हैं और करते रहेंगे।'

रेणुकास्वामी मर्डर केस- एक्टर दर्शन की जमानत रद्द,सुप्रीम कोर्ट बोला- लोकप्रियता चाहे जितनी हो, कानून से बड़ा कोई नहीं; आरोपी सरेंडर करें

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को रेणुकास्वामी हत्याकांड के मुख्य आरोपी एक्टर दर्शन और

बाकी लोगों को दी गई जमानत रद्द कर दी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसमें कई खामियां हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यह फैसला यह संदेश देता है कि आरोपी चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह कानून से ऊपर नहीं है। कोर्ट ने अधिकारियों को एक्टर दर्शन समेत सभी आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया। साथ ही राज्य सरकार को जेल में उन्हें विशेष सुविधाएं देने को लेकर भी चेतावनी दी। यह फैसला कर्नाटक सरकार की उस याचिका पर आया, जिसे हाईकोर्ट के 13 दिसंबर 2024 को दर्शन और सह-आरोपी को जमानत देने के आदेश के खिलाफ दायर किया गया था। दर्शन, पवित्रा गौड़ा समेत बाकी आरोपियों पर 33 साल की रेणुकास्वामी नाम की फैन के अपहरण और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि रेणुका को जून 2024 में बेंगलुरु के एक शेड में तीन दिन तक प्रताड़ित किया गया। बाद में उसका शव एक नाले से मिला था।सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा, 'फैसले में एक कड़ा संदेश है कि न्याय देने वाले सिस्टम को हर लेवल पर, हर कीमत पर कानून का शासन सुनिश्चित करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर या नीचे नहीं है। न ही हम किसी की अनुमति मांगते हैं जब हम उसका पालन करते हैं। समय की मांग है कि हर समय कानून का शासन बना रहे।'अदालत के आदेश के बाद, बल्लारी जेल में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। संभावना है कि दर्शन को वहां भेजा जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि एक हाई सिक्योरिटी सेल तैयार कर ली गई है। जेल कैंपस की दीवार, जिस पर पहले एक्टर के फैन्स उनकी एक झलक पाने के लिए चढ़ गए थे, उसे भी 25 फीट ऊंचा कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-पहलगाम जैसे हमलों को अनदेखा नहीं कर सकते:जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य बनाने का मामला, कोर्ट ने केंद्र से 8 हफ्तों में जवाब मांगा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा दोबारा बहाल करने के मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार से आठ हफ्तों

के अंदर लिखित जवाब मांगा है। कोर्ट ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जमीनी हकीकत और पहलगाम जैसी आतंकी घटनाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। दरअसल, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के फैसले को चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से आर्टिकल 370 हटाने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने को सही माना था। तब पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करेगी। हालांकि, कोर्ट ने इस बहाली के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं दी थी। आज सरकार की ओर से मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले चुनावों के बाद राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया था और इस पर काम कर रही है। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट को जवाब दिए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि सिर्फ संवैधानिक जरूरतें ही नहीं, सुरक्षा संबंधी हालात भी देखना जरूरी हैं। सिर्फ संवैधानिक बहस के आधार पर निर्णय नहीं लिया जाएगा बल्कि जमीनी हकीकत को देखा जाएगा। कोर्ट ने सरकार को 8 हफ्तों का समय दिया है जिसके बाद मामले में सुनवाई की जाएगी। सीनियर एडवोकेट शंकरनारायण ने कहा कि 11 दिसंबर 2023 के फैसले में कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद वहां सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद राज्य का दर्जा पुनर्स्थापित किया जाए। लेकिन राज्य का दर्जा बहाल करने में कोई टाल-मटोल नहीं होना चाहिए। अब 21 महीने हो चुके हैं लेकिन कोई प्रगति नहीं हो पाई है।ये याचिकाएं प्रोफेसर जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर की थीं।

सावरकर मानहानि केस-राहुल की सुरक्षा की मांग वाली याचिका वापस,पुणे कोर्ट में कल कांग्रेस नेता के वकील ने पिटीशन दी थी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर पुणे की स्पेशल कोर्ट में दायर याचिका को गुरुवार को उनके वकील मिलिंद पवार ने वापस ले ली है। पुणे की स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट सावरकर मानहानि केस में राहुल के खिलाफ सुनवाई कर रही है। पवार ने कहा कि आज सुबह स्पेशल कोर्ट में एक आवेदन दायर कर उक्त याचिका वापस लेने की अनुमति देने का आग्रह किया है। कोर्ट ने बुधवार को याचिका को रिकॉर्ड पर लिया था। हालांकि, आज अदालत ने मुझे उक्त याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। दरअसल, राहुल के वकील पवार ने बुधवार को कोर्ट में राहुल की जान को खतरा बताते हुए याचिका दाखिल की थी। पवार ने कोर्ट में लिखित सूचना देकर कहा था कि 'वोट चोरी' का मामला उजागर करने के बाद राहुल गांधी को खतरा बढ़ गया है। हालांकि, मीडिया में खबर आने के बाद में कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा था कि यह याचिका राहुल की सहमति के बिना दाखिल की गई है। श्रीनेत ने एक्स पर जानकारी शेयर की थी।पवार ने अपनी याचिका में कहा था कि भाजपा नेता आरएन बिट्टू ने गांधी को 'आतंकवादी' कहा। साथ ही एक अन्य बीजेपी नेता तरविंदर मारवाह ने भी खुली धमकी दी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि गांधी को 'अच्छा व्यवहार करना चाहिए, अन्यथा उनका भी अपनी दादी जैसा हश्र हो सकता है।' इसके अलावा, पवार ने इस मामले में शिकायतकर्ता सत्यकी के सावरकर और (नाथूराम) गोडसे परिवारों से संबंध और उनके प्रभाव का दुरुपयोग करने

के तरीके पर प्रकाश डाला था। हालांकि, बुधवार को याचिका के दाखिल होने और मीडिया द्वारा इसकी रिपोर्ट किए जाने के कुछ ही घंटों के भीतर पवार ने एक नोट जारी कर कहा कि उन्होंने इस याचिका को दाखिल करने से पहले गांधी से सलाह नहीं ली थी।मार्च 2023 में राहुल गांधी ने लंदन में एक भाषण में दावा किया था कि वीडी सावरकर ने एक किताब में लिखा था कि उन्होंने और उनके पांच से छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें इससे खुशी हुई थी। इस भाषण का हवाला देते हुए सत्यकी सावरकर ने गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया है। इसी मामले में 3 जुलाई को पुणे के एमपी/एमएलए कोर्ट ने सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी से वह पुस्तक दिखाने की मांग की थी, जिसमें उन्होंने सावरकर के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की थी। जस्टिस अमोल शिंदे ने कहा था कि कांग्रेस नेता को पुस्तक पेश करने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। पुणे कोर्ट में दाखिल याचिका में आरोप है कि राहुल गांधी के बयान से हिंदू समुदाय का अपमान हुआ है। राहुल ने कहा था कि सच्चा हिंदू कभी हिंसक नहीं होता, नफरत नहीं फैलाता।"ढ्ढ नफरत और हिंसा फैलाती है।महाराष्ट्र के अकोला जिले में 17 नवंबर, 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने एक रैली में सावरकर को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने मीडिया के सामने एक चिट्ठी दिखाते हुए कहा था कि यह चिट्ठी सावरकर ने अंग्रेजों को लिखी थी। इसमें उन्होंने खुद को अंग्रेजों का नौकर बने रहने की बात कही थी। साथ ही डरकर माफी भी मांगी थी। गांधी-नेहरू ने ऐसा नहीं किया, इसलिए वे सालों तक जेल में रहे। राहुल ने कहा था, 'गांधी, नेहरू और पटेल कई साल जेल में रहे और कोई चिट्ठी नहीं साइन की। सावरकर जी ने इस कागज पर साइन किया, उसका कारण डर था। अगर डरते नहीं तो कभी साइन नहीं करते। सावरकर ने जब साइन किया तो हिंदुस्तान के गांधी, पटेल को धोखा दिया था। उन लोगों से भी कहा कि गांधी और पटेल भी साइन कर दें।' सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर 26 अप्रैल को राहुल गांधी को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 'अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए।' इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4 अप्रैल को समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

एअर इंडिया-दो पायलटों ने तय समय से ज्यादा प्लेन उड़ाया:अधिकतम 10 घंटे का नियम है,डीजीसीए की चेतावनी- अब गलती न हो

नयी दिल्ली। पायलटों के 10 घंटे वाले नियम की बात आमतौर पर फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन परिस्थितियों में यह थोड़ा कम या ज्यादा हो सकती है), इसका मकसद पायलट की थकान को जरूरी है। किसी भी पायलट को 7 दिन में अधिकतम 35 घंटे प्लेन उड़ाने का नियम है। वहीं 30 दिन

से जुड़ी है, जिसे भारत में डीजीसीए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। CAO / EASA / FAA जैसी संस्थाएं तय करती हैं। 10 घंटे आम तौर पर एक दिन में पायलट के अधिकतम उड़ान समय की सीमा होती है (कुछ रोकना और उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें सिर्फ हवा में बिताया समय गिना जाता है। पायलटों को आराम की आवश्यकता उड़ान के बाद पायलट को कम से कम 12 घंटे का आराम करना में अधिकतम 125 घंटे उड़ान और 365 दिन में अधिकतम 1000 घंटे उड़ानें मिलती हैं।डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने पायलटों के ड्यूटी ऑवर्स उल्लंघन को लेकर एअर इंडिया को चेतावनी जारी की है। मामला दो इंटरनेशनल फ्लाइट से जुड़ा है। दरअसल मई में बेंगलुरु और लंदन के बीच चलने वाली दो फ्लाइट्स में पायलट ने 10 घंटे से ज्यादा विमान उड़ाया, जो नियमों के खिलाफ है। जून में डीजीसीए ने एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। हालांकि डीजीसीए से जुड़े सूत्रों ने बुधवार को बताया कि, एयरलाइंस का जवाब संतोषजनक नहीं मिला, जिसके बाद उन्हें भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी गई। एयरलाइंस बोली-एयर स्पेस बंद होने से दिक्कत हुई थी एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, एअर इंडिया को दो लंबी दूरी की उड़ानों में रोस्टरिंग से जुड़ी समस्याओं के संबंध में डीजीसीए का एक लेटर मिला था। हालांकि, उस वक्त बॉर्डर इलाकों में एयर स्पेस बंद होने के चलते ये दिक्कत आई थी। बाद में हमने नियमों का पूरी तरह से पालन किया।

किश्तवाड़ में बादल फटा, अभी तक 12 लोगों के शव मिले,चशोटी गांव में मचैल माता की धार्मिक यात्रा के लिए जुटे कई लोग बहे, रेस्क्यू जारी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के

किश्तवाड़ में पड्डर सब-डिवीजन के चशोटी गांव में गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बादल फटा। कई लोग पहाड़ से आए पानी और मलबे की चपेट में आ गए। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने जानकारी दी है कि हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। इनके शव मिल गए हैं। 25 से ज्यादा लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। यह हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा

के लिए चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ के पानी में बह गए।मचैल माता तीर्थयात्रा हर साल अगस्त में होती है। इसमें हजारों श्रद्धालु आते हैं। यह 25 जुलाई से 5 सितंबर तक चलेगी। यह रूट जम्मू से किश्तवाड़ तक 210 किमी लंबा है और इसमें पड्डर से चशोटी तक 19.5 किमी की सड़क पर गाड़ियां जा सकती हैं। उसके बाद मचैल तक 8.5 किमी की पैदल यात्रा होती है।हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बुधवार रात भारी बारिश हुई। कोटखाई के खलटूनाला की पहाड़ियों में सुबह 3 बजे बादल फटने से नाले में मलबा आ गया। इससे तराई में बना पेट्रोल पंप और 6 से ज्यादा गाड़ियां दब गईं। पंप पर काम करने वाले कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई।हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और शिमला में बुधवार शाम को भी 4 जगह बादल फटे। कुल्लू के श्रीखंड और तीर्थन वैली, शिमला जिला के फाचा के नांटी गांव और काशापाठ में बादल फटने के बाद नदी-नालों में बाढ़ आ गई। अचानक आई बाढ़ में फंसे 4 लोगों को सेना ने रेस्क्यू किया। इन लोगों को पूह मिलिट्री कैंप में ले जाया गया। भारी बारिश के कारण ऊना, कुल्लू के बंजार सब डिवीजन, शिमला के जुब्बल

और मंडी के थुनाग में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। हिमाचल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में बारिश और उससे जुड़ी घटनाओं में 396 सड़कें बंद हो गई हैं।बादल फटने की घटना के बाद से तीन जिलों किश्तवाड़, डोडा, भदरवाह से सभी एम्बुलेंस बचाव अभियान के लिए किश्तवाड़ जिले के मचैल के लिए रवाना हो गई हैं। यहां 30 से ज्यादा लोगों के घायल होने की आशंका है।किश्तवाड़ के पड्डर के चशोटी गांव में इलाके में 200 से 300 लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव कार्यों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और अधिकारियों ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है।पड्डर-नागसेनी के विधायक सुनील कुमार शर्मा ने कहा, 'हमारे पास अभी तक कोई संख्या या डेटा नहीं है, लेकिन वहां भारी नुकसान की आशंका है। फिलहाल हमारे पास कोई संख्या या डेटा नहीं है। यात्रा जारी होने के कारण, इलाका भीड़भाड़ वाला है। मैं उपराज्यपाल से बात करूंगा और बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ टीम की मांग करूंगा।' केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया- 'जम्मू-कश्मीर के नेता प्रतिपक्ष और स्थानीय विधायक सुनील कुमार शर्मा से संदेश मिलने के बाद अभी-अभी किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर पंकज कुमार शर्मा से बात की। चोसिटी इलाके में बादल फटा है, जिससे बड़ी संख्या में जनहानि हो सकती है। प्रशासन तुरंत कार्रवाई में जुट गया है। रेस्क्यू टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है। नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। जरूरी बचाव एवं मेडिकल सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। मेरे कार्यालय को नियमित अपडेट मिल रहे हैं, हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।'

'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थीःपति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी बेटी

रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके

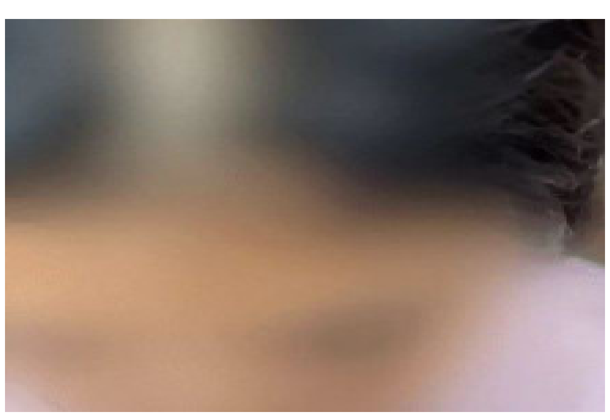

बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं।

वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में

सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी।

ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

जॉनी लीवर 68 के हुए, सड़क पर पेन बेचे,शराबी पिता से तंग आकर आत्महत्या करने रेलवे ट्रैक पर पहुंचे..

मुंबई। हंसी के बादशाह, कॉमेडी के जादूगर और चेहरे पर मुस्कान लाने वाले जॉनी लीवर का 14 अगस्त को जन्मदिन हुआ।

जॉनी हिंदी सिनेमा के सबसे फेमस कॉमेडियन में गिने जाते हैं। उन्होंने अब तक 350 से ज्यादा हिंदी फिल्मों में काम किया है। आज जॉनी लीवर के बर्थडे के खास मौके पर आइए उनकी जिंदगी को करीब से छूते हैं- जॉनी एक तेलुगू क्रिश्चियन परिवार में पैदा हुए। उनके पिता हिंदुस्तान यूनिलीवर में ऑपरेटर थे। परिवार में तीन बहनें और दो भाई हैं।जॉनी का बचपन मुंबई की माटुंगा और धारावी की तंग गलियों में गुजरा। आर्थिक तंगी के कारण 6-7वीं क्लास के बाद वो पढ़ाई नहीं कर पाए। कम उम्र में उन्होंने छोटे-मोटे काम किए। सड़क पर पेन बेचे, ट्रेन में संतरे बेचे, यहां तक कि शराब के अड्डे पर भी काम किया। रणवीर अलाहबादिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि बचपन में पिता की शराबखोरी और मारपीट से तंग आकर उन्होंने एक बार आत्महत्या करने की सोची थी। जॉनी जब 13 साल के थे, तब वे रेलवे ट्रैक पर जाकर बैठ गए थे, ट्रेन आ रही थी। तभी तीनों बहनों के चेहरे उनकी आंखों के सामने आ गए, जैसे वो कह रही हों - 'हमारा क्या होगा?' और इसके बाद वे तुरंत ट्रैक से हट गए थे। जॉनी ने कहा था कि पापा शराब पीते थे और गलत कामों में शामिल रहते थे। कई बार मैंने उनके हथियार भी फेंक दिए।धारावी के दिनों को लेकर जॉनी ने बताया था कि वहां हत्या जैसी घटनाएं आम थीं। सात साल की उम्र में पहली बार उन्होंने एक शख्स की लाश देखी थी। जॉनी ने मुंबई के गैंगस्टर हाजी मस्तान और वरदराजन को लेकर कहा था कि हम तो बचपन

से उन्हें जानते थे, पास से देखा है। जब हाजी मस्तान आते थे, तो लोगों की भीड़ लग जाती थी, उनकी बहुत इज्जत होती थी। वहीं, जब उनसे पूछा गया था कि आप हाजी मस्तान और वरदराजन से डरते नहीं थे? तो जॉनी ने हंसते हुए कहा था, 'नहीं, हम तो उन्हें बहुत प्यार करते थे। वो कहते थे, 'ये मेरा बच्चा है, बेटा है।' जॉनी ने यह भी कहा था कि वो अगर आर्टिस्ट नहीं होते तो गुंडे होते।जॉनी 12 साल की उम्र से ही स्टेज पर डांस और मिमिक्री करने लगे थे, जहां वे महमूद, जॉनी वॉकर और किशोर कुमार की नकल करते थे। पेन बेचते समय उनका अंदाज भी अनोखा था। एक दिन, अशोक कुमार की आवाज में उन्होंने एक लड़के से कहा -'बेटा, पैसे नहीं हैं तो पिताजी की जेब से निकालो और ये निब पेन, बॉल पेन खरीदो, बड़े आदमी बनोगे।' कभी जॉनी शत्रुघ्न सिन्हा की आवाज में कहते - 'ये पेन कमाल का है,' तो कभी ओम प्रकाश की आवाज में -'उठा लो, उठा लो, बहुत बड़े आदमी बन जाओगे।' 18 साल की उम्र में जॉनी लीवर ने हिंदुस्तान लीवर कंपनी में काम करना शुरू कर दिया था। जब वे हिंदुस्तान लीवर में काम करते थे, तो उनकी तनख्वाह सिर्फ 600 रुपए थी। वे वहां लेबर के रूप में छह साल तक काम करते रहे।नौकरी के दौरान ही वो शाम के समय स्टेज शो भी करते थे। वो दिन में नौकरी और रात में शो करते थे। हिंदुस्तान यूनिलीवर के एक फंक्शन में उन्होंने अफसरों की मिमिक्री की। तभी से लोग उन्हें जॉनी कहने लगे। फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद उन्होंने यही नाम अपनाया। जॉनी ने म्यूजिकल शो और तबस्सुम हिट परेड जैसे मंचों पर कॉमेडी की। बाद में संगीतकार जोड़ी कल्याणजी-आनंदजी के साथ उनके शो में शामिल हो गए। सुनील दत्त ने मौका दिया था- 1981 में उन्होंने यूनिलीवर की नौकरी छोड़ दी और स्टेज शो पर पूरा ध्यान दिया। 1982 में अमिताभ बच्चन के साथ वर्ल्ड टूर किया। एक शो में एक्टर सुनील दत्त ने उनकी परफॉर्मेंस देखी और उन्हें अपनी फिल्म 'दर्द का रिश्ता' में काम दिया।फिर जॉनी ने 'हंसी के हंगामे नाम' से एक ऑडियो कैसेट निकाली, जिससे उनको घर-घर में पहचान मिली। इसी दौर में उन्होंने 'कछुआ छाप अगरबत्ती' का विज्ञापन भी किया, जिसे शेखर कपूर ने डायरेक्ट किया था। 1986 में उन्होंने 'होप 86' नाम के चैरिटी शो में फिल्म इंडस्ट्री के सामने परफॉर्म किया। वहां से प्रोड्यूसर गुल आनंद ने उन्हें फिल्म 'जलवा' ऑफर की थी। इसके बाद वो 'तेजाब', 'कसम', 'खतरनाक', 'किशन कन्हैया' जैसी फिल्मों में नजर आए।1990 के दशक में जॉनी को फिल्म 'बाजीगर' से बड़ी पहचान मिली। इसके बाद वो छोटा छत्री, असलम भाई और बबलू जैसे किरदारों के लिए मशहूर हुए। फिल्म में काम के साथ वो लाइव शो करते रहे। 2011 में उनकी पहली तमिल फिल्म 'अनबिर्क्कु अलविल्लै' रिलीज हुई। वो कन्नड़ फिल्म 'गारा' में भी नजर आए और तुलु भाषा की फिल्म 'रंग' में भी काम किया।जॉनी लीवर की 1984 में सुजाता लीवर से शादी हुई थी। कपल के दो बच्चे जेमी और जेसी हैं। जेमी भी एक्ट्रेस और कॉमेडियन हैं। वहीं, बेटा जेसी भी एक एक्टर है। जॉनी लीवर के छोटे भाई जिमी मोसेस एक एक्टर और स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं।जॉनी लीवर की जिंदगी के सबसे मुश्किल समय में से एक वह था, जब उनके बेटे जेसी के गले में ट्यूमर निकला था। जॉनी के बेटे जेसी तब सिर्फ 10 साल के थे। जब उनके गले में एक गांठ निकली, जिसके लिए कई इलाज और सर्जरी की कोशिशें हुईं, लेकिन ट्यूमर नसों में उलझा हुआ था। डॉक्टरों ने चेतावनी दी थी कि ऑपरेशन करने पर वह अंधे या लकवाग्रस्त हो सकते हैं। दवाओं के बावजूद ट्यूमर बढ़ता गया और जेसी को रोज 40-50 गोलियां खानी पड़ीं।एक बार जॉनी परिवार सहित अमेरिका घूमने गए। वहां जर्सी के एक चर्च में एक पादरी से मुलाकात हुई। पादरी ने सलाह दी कि जेसी को न्यूयॉर्क के स्लोन केटरिंग हॉस्पिटल में ले जाएं और भरोसा दिलाया कि भगवान उसे ठीक करेंगे। भारत के डॉक्टर ऑपरेशन से मना कर चुके थे, लेकिन जॉनी ने पादरी की बात मान ली। पत्नी की हिचकिचाहट के बावजूद दोस्तों की मदद से डॉक्टर मिला और ऑपरेशन सफल रहा। ऑपरेशन के बाद जेसी का पूरा ट्यूमर निकल गया और सिर्फ एक छोटा-सा बैंडेज रह गया। बता दें कि इस घटना से जॉनी की जिंदगी बदल गई। उन्होंने शराब जैसी अपनी सभी बुरी आदतें छोड़ दीं। रणवीर अलाहबादिया को दिए इंटरव्यू में जॉनी ने बताया था कि अन्याय देखकर उन्हें गुस्सा आता

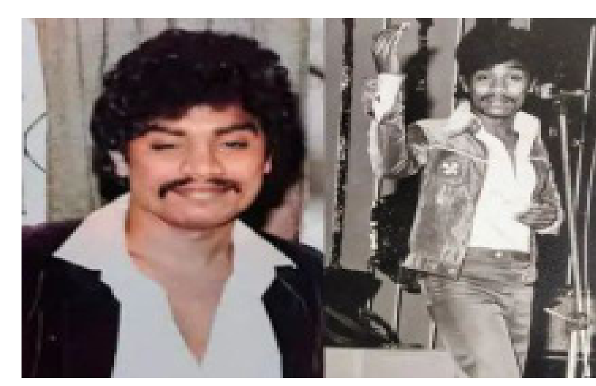

था। ऑर्केस्ट्रा शो में अगर किसी ने महिला कलाकार के साथ बदतमीजी की, तो उन्हें उसे सबक सिखाने का मन होता था, लेकिन समय के साथ उन्होंने खुद को कंट्रोल करना सीखा। जॉनी ने एक और घटना बताई थी कि वे बांद्रा में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। सीन में एक लड़की को समंदर से बहकर किनारे आना था, वह बिकिनी पहने थी और किनारे पर पड़ी थी। जॉनी लीवर हवलदार के किरदार में थे और विनोद खन्ना इंस्पेक्टर थे। शॉट खत्म होने के बाद सभी लोग चाय-पानी पी रहे थे, लड़की टॉवल ओढ़कर बैठी थी। तभी एक रिक्शा वाला आया और अजीब नजरों से लड़की को घूरने लगा। ऑटो रिक्शा वाले पर जॉनी लीवर को गुस्सा आ गया, उन्होंने सोचा उसे सबक सिखा दें, लेकिन वह भाग गया। जॉनी लीवर ने कहा था कि सच कहूं तो मेरी इमेज को सूट नहीं कर रहा था, वर्ना मैं तो उसका मुंह फोड़ देता। उसको पता भी नहीं चलता कि क्या हुआ। हम लोग तो बचपन से स्ट्रीट फाइटर टाइप के रहे हैं टक्कर, मारपीट और एकदम सामने से भिड़ जाना... ये सब हमारे लिए आम था। बहन की मौत के बाद भी शो करना पड़ा था अपनी बेटी जेमी के साथ एक पॉडकास्ट में जॉनी ने बताया था कि उनकी बहन का निधन हो गया था। घर में सब रो रहे थे, लेकिन उसी दिन उनका एक शो भी था। उन्हें लगा था कि शो शाम 7 बजे है, लेकिन दोस्त ने आकर बताया कि यह 4 बजे है। मन भारी था, फिर भी उन्होंने कपड़े उठाए, टैक्सी में कपड़े बदले और स्टेज पर पहुंच कर परफॉर्म किया। शो खत्म होने के बाद पैसे भी नहीं लिए और सीधे घर लौट आए।जॉनी लीवर ने 'द कपिल शर्मा शो' में बताया था कि फिल्म 'तेजाब' की शूटिंग के दौरान उन्होंने अनिल कपूर के साथ शरारत की थी। जॉनी ने फोन पर शत्रुघ्न सिन्हा की आवाज में अनिल से कहा, 'अनिल, मैं शत्रुघ्न बोल रहा हूं, शाम को मिलते हैं।' अनिल ने सम्मान से जवाब दिया, 'सर, बिल्कुल सर-सर।' कुछ देर बाद जॉनी ने अपनी असली पहचान उजागर की तो अनिल हैरान रह गए और बोले थे, 'तेरी ऐसी की तैसी!' प्रीचर बन दुनिया भर में लोगों की सेवा की- जॉनी लीवर बेटे के इलाज के बाद चर्चों में प्रीचर बनकर जाने लगे थे। उन्होंने बताया था कि एक बार ऐसा हुआ कि जब भी वह किसी को छूते, लोग गिर जाते। बाद में उन्हें समझ आया कि यह परमेश्वर की शक्ति है। कई बार लोग उनसे प्रार्थना करने को कहते और तब बीमार लोग ठीक हो जाते, बुरी आत्माएं भी चली जातीं। उस समय फिल्मों में उनका काम कम हो गया था, तो उन्होंने 13 साल तक प्रीचर बन दुनिया भर में सेवा की थी। जॉनी ने बताया कि कई बार फ्लाइट में भी, जब किसी को मेडिकल इमरजेंसी होती और डॉक्टर मौजूद नहीं होता, तो वे आगे बढ़कर प्रेयर करते। हैरानी की बात है कि ऐसे कई मौके पर लोगों की हालत सुधर गई। हाल ही में कॉमेडियन सपन वर्मा के यूट्यूब शो पर उन्होंने कहा था कि मैं चौपाटी पर बैठकर सुबह 4 बजे तक पीता था। कई बार पुलिस आती थी, लेकिन जब पहचानती थी तो कहती- अरे जॉनी भाई और मुझे अपनी गाड़ी में बैठा देती थी ताकि मैं सुरक्षित रहूं। जॉनी ने बताया था कि लगातार काम और शराब के चलते उनका शरीर थक जाता था। फिर भी वो परफॉर्मेंस देते थे। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से कहता हूं- लिमिट में पियो। मैंने हदें पार कर दी थीं। मैं शराबी बन गया था। ये सब करना किसी काम का नहीं। हालांकि, जॉनी ने 24 साल पहले शराब छोड़ दी थी और तब से उन्होंने शराब नहीं पी है। फिल्मों में डाउनफॉल आने पर घर बेचने का सोचा 1990 से 2000 के दशक के बीच जॉनी लीवर के बिना फिल्में पूरी नहीं होती थीं, लेकिन एक समय ऐसा भी आया, जब उनका डाउनफॉल शुरू हो गया। जॉनी के पैसे खत्म हो गए। वे घर बेचकर मीर रोड में नया घर लेने का सोच रहे थे। अभिनेत्री कुणिका सदानंद के साथ बातचीत में जॉनी ने कहा था कि जो भी कमाया, उन्होंने चैरिटी में दे दिया, पैसा अपने पास कभी नहीं रखा। उनके घर से कोई खाली हाथ नहीं जाता था। पिछले एक-डेढ़ दशक में जॉनी 'गोलमाल 3', 'हाउसफुल 2', 'खिलाड़ी 786', 'एंटरटेनमेंट', 'दिलवाले' 'गोलमाल अगेन', 'जुड़वा 2', 'टोटल धमाल', 'हाउसफुल 4', 'कुली नं. 1', 'हंगामा 2', 'सर्कस' जैसी फिल्मों में नजर आए हैं। 2025 में वो 'बैडएस रवि कुमार', 'बी हैप्पी', 'हाउसफुल 5' में दिखे, अब वो जल्द 'वेलकम टु द जंगल' में नजर आएंगे, जो दिसंबर में रिलीज होगी।

अक्षय कुमार का ट्विंकल के डांस पर मजाकिया कमेंट-कहा- टैलेंट पर सवाल, लेकिन पत्नी अनमोल; यूजर्स बोले- आपको डर नहीं लगता?

मुंबई। एक्ट्रेस और अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना ने

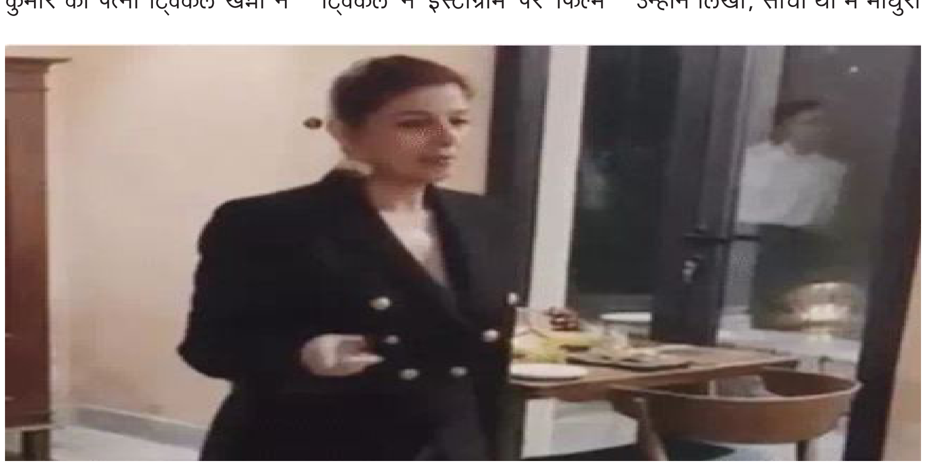

अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो पर एक्टर ने मजाकिया अंदाज में कमेंट करते हुए उनका मजाक भी उड़ाया। दरअसल, ट्विंकल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया के गाने तम्मा तम्मा गाने के हुक स्टेप को करते हुए वीडियो शेयर किया है। लेकिन लास्ट में वह अपना एक अलग अंदाज भी दिखाते हुए नजर आईं।इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, सोचा था मैं माधुरी दीक्षित की तरह लगूंगी, लेकिन आखिर में संजय दत्त जैसी लग गई। एक बात और महामारी के दौरान इसी स्टेप को करते हुए मेरा पैर फ्रैक्चर हो गया था। आपका डांस स्टाइल किसका लगता है और असलियत क्या है?इस वीडियो पर अक्षय कुमार ने कमेंट करते हुए लिखा, टैलेंट-संदिग्ध। कॉन्फिडेंस-अटूट। पत्नी-अनमोल। एक्टर के इस कमेंट के बाद यूजर्स भी जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। एक ने लिखा, आपका कमेंट सबसे बढ़िया है।, दूसरे ने मजाक में कहा, आपका कमेंट करने का प्रयास निडर।, तीसरे ने चुटकी लेते हुए लिखा, टैलेंट संदिग्ध क्या आपको उनसे डर नहीं लगता?ट्विंकल जल्द ही काजोल के साथ एक टॉक शो 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा, हालांकि इसकी रिलीज डेट का अभी ऐलान नहीं हुआ है। अक्षय कुमार अगली बार 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है।

ज़ी5 पर रिलीज हुई 'तेहरान'ःजॉन अब्राहम बने डीएसपी राजीव, फिल्म में तेज एक्शन नहीं, बल्कि सधी हुई जासूसी, पढ़ें रिव्यू

मुंबई। तेहरान सिर्फ एक जासूसी थ्रिलर नहीं, बल्कि इंसानियत, जिम्मेदारी और निजी संवेदना की परतों में उतरने वाली कहानी है। स्वतंत्रता दिवस के आस-पास रिलीज हुई और मैडॉक फिल्म्स व बेक माय केक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म एक्शन के शोर से ज्यादा राजनीति के सन्नाटे और कूटनीतिक उलझनों पर टिकती है। अब यह आज से ज़ी5 पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।दिल्ली में हुए एक बम धमाके में एक मासूम बच्ची की मौत होती है। डीसीपी राजीव कुमार

(जॉन अब्राहम) के लिए यह केस महज ड्यूटी नहीं, बल्कि निजी दर्द से जुड़ा एक मिशन है। सुराग उन्हें तेहरान तक ले जाते हैं, जहां दोस्त और दुश्मन के बीच की लकीर धुंधली हो जाती है। कहानी में पॉलिटिकल टेंशन और इमोशनल कनेक्ट दोनों हैं, लेकिन कुछ जगहों पर घटनाओं का ट्रांजिशन इतना तेज है कि दर्शक को जोड़ने वाली परत अधूरी रह जाती है।जॉन अब्राहम अपनी आंखों और हावभाव से गहरा असर छोड़ते हैं। डायलॉग कम, भावनाएं ज्यादा। यह उनका शांत और भावनात्मक प्रदर्शन है। कुछ दर्शकों को यह अंदाज पहले जैसा लग सकता है।मानुषी छिल्लर का स्क्रीन टाइम कम है, लेकिन उनकी मौजूदगी कहानी में मानवीय संवेदनाओं को दिखाती है। नीरू बाजवा की समझदारी और हादी खानजनपुर का एक्टिंग कहानी के तनाव को और असली बनाता है। निर्देशक अरुण गोपालन ने फिल्म को फालतू दिखावे से दूर रखा है और इसे संतुलित अंदाज में पेश किया है। पटकथा बिना भारी-भरकम बोलचाल के राजनीति दिखाती है। कैमरा वर्क दिल्ली की हलचल और अबू धाबी की सन्नाटा महसूस कराता है।

जया बच्चन की हरकत पर भड़के अशोक पंडित,बोले- पब्लिक सर्वेंट हर वक्त नाराज नहीं रह सकते, यह जनता का अपमान है

मुंबई। जया बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी

वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक शख्स को धक्का मारती हुई नजर आ रही हैं, जो उनके साथ फोटो क्लिक कराने की कोशिश कर रहा था। अब इस मामले पर फिल्ममेकर अशोक पंडित का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखकर जया बच्चन की इस हरकत की आलोचना की है और उन पर जनता का अपमान करने का आरोप लगाया है। अशोक पंडित ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, जया बच्चन ने एक आम आदमी को सिर्फ इसलिए धक्का दिया क्योंकि वह सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। ये बहुत ही निंदनीय एक्ट है। और उन लोगों का अपमान भी है, जिन्होंने इन्हें वोट दिया। अपनी सेवा के लिए चुना है। पब्लिक सर्वेंट, खासकर इलेक्टेड रिप्रजेंटेटिव्स को तो उन लोगों के प्रति अच्छे से पेश आना चाहिए, जो उनके फैंस हैं।अशोक पंडित ने लिखा, एक पब्लिक सर्वेंट 24 घंटे नाराज और चिड़चिड़ा नहीं रह सकता। ऐसे कलाकार से तो इंसानियत और विनम्रता की उम्मीद की जाती है, जिसे फैंस का प्यार मिला है और जिसने उसे ये मुकाम और पोजीशन दिलाई हो।सिर्फ अशोक पंडित ही नहीं कंगना रनोट भी जया बच्चन की आलोचना कर चुकी हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा था- सबसे बिगड़ैल और प्रिविलेज्ड महिला।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।